RNI No. : TNHIN/2013/52520 ■ वर्ष - 14 ■ अंक - 12 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 03-08-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 इस वर्ष लगाए जाएंगे 10 करोड़ पौधे : पटेल

6 पीओके की पुकार और दुनिया की जिम्मेदारी

7 आजादी जरूरी है, लेकिन जिम्मेदारी भी होनी चाहिए : कंगना

फर्स्ट टेक

इंडोनेशिया में यात्री नौका में आग लगने से पांच लोगों की मौत

सुराबाया (इंडोनेशिया)/एपी। जावा द्वीप के पास रविवार को 271 लोगों को ले जा रही एक नौका में आग लग गई। इस हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और कई लोग लापता हो गए, जबकि बचाव दल और वहां से गुजर रहे जहाजों ने जलती हुई नौका से सैकड़ों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इंडोनेशिया की राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी के अनुसार, 'मुटियारा सेंटोसा 2' नौका देश के दूसरे सबसे बड़े शहर जावा के सुराबाया से दक्षिण सुलावेसी के मकासर शहर जा रही थी। नौका पर 232 यात्री और चालक दल के 39 सदस्य सवार थे, तभी सुमेनेप रीजेंसी के पास समुद्र में सुबह छह से सात बजे के बीच इसमें आग लग गई। राष्ट्रीय खोज एवं बचाव एजेंसी द्वारा जारी किए गए वीडियो में नौका के एक तरफ से घना काला धुआं निकलता और पूरे जहाज में फैलता हुआ दिखाई दिया।

पीओके : ब्रॉड पीक पर हिमस्खलन के तीन दिन बाद पर्वतारोही पुर्जा का शव मिला

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित-बाल्टिस्तान में ब्रॉड पीक पर हिमस्खलन की चपेट में आने के बाद रविवार को अनुभवी नेपाली-ब्रिटिश पर्वतारोही निर्मल पुर्जा का शव मिला। अल्पाइन क्लब ऑफ पाकिस्तान (एसीपी) ने बताया कि 43 वर्षीय पर्वतारोही का शव लगभग 5,700 मीटर की ऊंचाई पर मिला। इसमें कहा गया है कि अब तक पांच पर्वतारोहियों के शव बरामद कर लिए गए हैं और बाकी पांच का पता लगाने की कोशिशें जारी हैं।

प्रधानमंत्री ने पिंगली वेंकैया को उनकी 150वीं जयंती पर याद किया

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पिंगली वेंकैया को उनकी 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी और देश को राष्ट्रीय ध्वज देने में उनकी अमूल्य भूमिका को याद किया। स्वतंत्रता सेनानी वेंकैया को राष्ट्रीय ध्वज का शुरुआती डिजाइन बनाने के लिए जाना जाता है। वह एक प्रवक्ता, लेखक, भू-वैज्ञानिक और शिक्षाविद थे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वेंकैया को हमारे देश को तिरंगा देने में उनकी 'अमूल्य भूमिका के लिए याद किया जाता है। उनकी कोशिशें हमेशा लोगों को समर्पण और देशभक्ति की भावना के साथ देश की सेवा करने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा, तिरंगा हर भारतीय के दिल में अपार गर्व भरता है और हमें राष्ट्र-निर्माण की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करता है।

03-07-2026 सूर्यास्त 6:35 बजे | 04-08-2026 सूर्योदय 5:56 बजे

BSE	NSE
78,094.64 (+166.49)	24,383.60 (+66.45)

सोना	चांदी
14,865 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	235,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सब होपचोप

बेरोजगार बढ़ रहे आज,
धंधे होने लग गए लोप।
सेंसेक्स पड़ा घुटनों के बल,
मंहगाई दिखला रही कोप।
हो रहे तमंचे बिगगन भी,
जिनको कहते थे कभी तोप।
बेगाने से बाज़ार हुए,
जनता भी दिखती होपचोप।।

विजेता

स्कॉटलैंड के ग्लासगो में राष्ट्रमंडल खेल 2026 में मुक्केबाजी प्रतियोगिताओं के बाद भारत की स्वर्ण पदक विजेता अरुंधति चौधरी, प्रिया घांघस, साक्षी चौधरी, प्रीति पवार और जैस्मिन लम्बोरिया, तथा रजत पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन अपने पदकों के साथ तस्वीर खिंचवाती हुईं।

नशा कुछ समय का आनंद देता है, लेकिन पूरी जिंदगी बर्बाद कर देता है : नरेन्द्र मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हमारी संस्कृति हमें सिखाती है कि समाज के सहयोग, योग और ध्यान के माध्यम से नशे की लत से छुटकारा पाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 'नशा मुक्त युवा' अभियान केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि परिवार, समाज और सबसे बढ़कर राष्ट्र का संकल्प है।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को देश के युवाओं से नशामुक्त रहने का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि नशीले पदार्थ कुछ समय के लिए आनंद का झूठा एहसास (हाई) दे सकते हैं, लेकिन वे पूरे करियर और निजी जीवन को बर्बादी (लो) में धकेल देते हैं। 'नशा मुक्त युवा - विकसित भारत संकल्प अभियान' की शुरुआत करते हुए मोदी ने कहा कि देश के युवाओं का मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना आवश्यक है तथा इसके लिए उन्हें हर प्रकार के नशे से दूर रहना होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि दुश्मन देश नशीले पदार्थों की आपूर्ति का इस्तेमाल अपनी आतंकी योजनाओं के तहत करते हैं क्योंकि वे जानते हैं कि युवा हमारे देश का भविष्य हैं। उन्होंने कहा, नशीले पदार्थ कुछ समय के लिए आपको आनंद का झूठा एहसास करा सकते हैं लेकिन वे आपका पूरा करियर और निजी जीवन बर्बाद कर देते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने नशे के आदी लोगों के प्रति समाज में व्याप्त वर्जना और सामाजिक कलंक पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो लोग नशे की लत से बाहर निकल आते हैं, वे वास्तविक योद्धा हैं और समाज को उनका सम्मान करना चाहिए।

उन्होंने कहा, समाज को उनका सम्मान करना चाहिए, उन्हें अपनाना चाहिए और उन्हें जीवन में दूसरा अवसर देना चाहिए। प्रधानमंत्री ने बड़ी संख्या में युवाओं की उपस्थिति में इस अभियान की डिजिटल माध्यम से शुरुआत की। कार्यक्रम में शामिल युवाओं ने स्वयं को 'जेन-जी' का प्रतिनिधि बताया। यह अभियान ऐसे समय शुरू किया गया है, जब हाल ही में सार्वजनिक परीक्षा प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर छात्रों के बड़े पैमाने पर प्रदर्शन दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में हुए थे।

मोदी ने कहा, हमारी संस्कृति हमें सिखाती है कि समाज के सहयोग, योग और ध्यान के माध्यम से नशे की लत से छुटकारा पाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 'नशा मुक्त युवा' अभियान केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि परिवार, समाज और सबसे बढ़कर राष्ट्र का संकल्प है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का नाम ही इसके उद्देश्य को स्पष्ट करता है। प्रधानमंत्री ने कहा, जब देश ने विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया है, तब यह आवश्यक है कि युवा शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ, आत्मविश्वास से भरपूर रहें और हर प्रकार के हानिकारक नशे से दूर रहें।

उन्होंने कहा, यही इस अभियान का उद्देश्य है। उन्होंने सभी लोगों से संकल्प लेने का आह्वान किया कि वे युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करें तथा हर संभव तरीके से उन्हें सतर्क और सजग बनाए रखें। मोदी ने कहा, आज से पूरे देश में नशा मुक्त युवा अभियान' शुरू किया जा रहा है। जब यह जन-आंदोलन का रूप लेगा, तब वे लोग भी नई ऊर्जा प्राप्त करेंगे, जो अकेले अपने दम पर कुछ नहीं कर पाते। उन्होंने कहा, आज लिया गया यह संकल्प अगले 100 सप्ताह तक इसी तरह आगे बढ़ेगा। प्रत्येक रविवार को कला, संस्कृति, खेल, ध्यान, अध्यात्म और सेवा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनके माध्यम से नशामुक्ति का संदेश अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचेगा।

कावेरी मुद्दे पर कर्नाटक के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार कावेरी मुद्दे पर राज्य के किसानों और जनता के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही उन्होंने संगठनों से प्रस्तावित 'कर्नाटक बंद' का आह्वान वापस लेने की अपील की। कन्नड़ समर्थक संगठनों ने कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्लयूएमए) के उस आदेश के खिलाफ 13 अगस्त को 'कर्नाटक बंद' का आह्वान किया है, जिसमें कावेरी जल विनियमन समिति (सीडब्ल्यूआरसी) की तमिलनाडु के लिए 15 दिन तक प्रतिदिन 3,500 क्यूसेक पानी छोड़ने की सिफारिश को बरकरार रखा गया था।

शिवकुमार ने कहा कि विरोध प्रदर्शनों की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि बारिश से स्थिति में सुधार हुआ है और सभी राजनीतिक दलों ने अपना समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसे बंद से किसी का भला नहीं होगा। कावेरी मुद्दे पर बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार कानूनी दायरे में रहकर फैसले लेना जारी रखेगी, पीने के पानी की जरूरतों को प्राथमिकता देगी, कानूनी और कृषि विशेषज्ञों से सलाह लेगी और कोई भी अगला कदम उठाने से पहले पानी की स्थिति पर लगातार नजर रखेगी। उन्होंने कहा, हमारी सरकार कावेरी मुद्दे पर कर्नाटक के किसानों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

भारत में यूसीसी लागू होना चाहिए, बांग्लादेश व पाकिस्तान में भी ऐसे कानून की जरूरत : तसलीमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। बांग्लादेश से निर्वासित लेखिका तसलीमा नसरीन ने रविवार को भारत में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लागू करने की वकालत करते हुए कहा कि भेदभाव, खासकर महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को खत्म करने के लिए ऐसा कानून जरूरी है।

उन्होंने पड़ोसी देश बांग्लादेश और पाकिस्तान में भी ऐसे कानून की जरूरत पर जोर दिया। तसलीमा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, सभी विकसित देशों में यूसीसी जैसे कानून हैं। बांग्लादेश, पाकिस्तान और भारत को यूसीसी की जरूरत है। सभी के लिए समान कानून होने चाहिए। महिलाओं को बहुत ज्यादा भेदभाव का सामना करना पड़ता है और यूसीसी के जरिए इसमें से काफी हद तक भेदभाव को दूर किया जा सकता है। यह जरूरी है।

तसलीमा का यह बयान पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा राज्य के लिए यूसीसी के मसौदे की समीक्षा करने के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित करने के बाद आया है। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक प्रस्तावित कानून के व्यापक असर और विस्तृत दायरे के मद्देनजर यह समिति बनाई गई है। इसके मुताबिक कोई भी अगला कदम उठाने से पहले समिति मसौदा विधेयक की समीक्षा करेगी।

तसलीमा (63) ने बांग्लादेश का जिक्र करते हुए कहा कि समानता सभ्यता की नींव है, लेकिन कई महिलाओं को अब भी भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, बांग्लादेश में हिंदू महिलाओं को समान अधिकार नहीं हैं। वह अपने पिता की संपत्ति की उत्तराधिकारी नहीं बन सकतीं। अगर हिंदू महिलाओं को आज़ादी और समान अधिकार चाहिए, तो यूसीसी जरूरी है। तसलीमा शनिवार को करीब 19 साल बाद कोलकाता लौटीं। यहां उनका रवींद्र सदन में राज्य सरकार के एक कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। उन्हें 2007 में उनकी किताब 'द्विखंडितो' के प्रकाशन को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शनों के कारण तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार के कहने पर कोलकाता छोड़ना पड़ा था। लेखिका ने एक दिन पहले शहर में हुए उनके सम्मान समारोह में हुई गड़बड़ी पर दुख जताया।

उन्होंने कहा कि उन्हें अपमान महसूस हुआ, जब दर्शकों के एक हिस्से के विरोध के कारण मशहूर कवि जॉय गोस्वामी को मंच छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा। तसलीमा ने संवाददाताओं से कहा, न केवल जॉय का अपमान हुआ, बल्कि मेरा भी अपमान हुआ क्योंकि मैंने ही उन्हें आमंत्रित किया था।

जैसमीन होंगी राष्ट्रमंडल खेलों के समापन समारोह में भारत की ध्वजवाहक

ग्लास्गो/भाषा। मौजूदा विश्व चैंपियन और दो बार की पदक विजेता जैसमीन लंबोरिया रविवार देर रात से ग्लास्गो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के समापन समारोह में भारतीय दल की ध्वजवाहक होंगी। चौबीस बरस की मुक्केबाज जैसमीन ने राष्ट्रमंडल खेलों की 57 किग्रा भार वर्ग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता है। इससे पहले उन्होंने वर्ष 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक हासिल किया था। जैसमीन हाल के वर्षों में भारत की सबसे निरंतर प्रदर्शन करने वाली मुक्केबाजों में शामिल रही हैं। उन्होंने पिछले साल लिवरपूल में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था, जबकि इस साल की शुरुआत में एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक अपने नाम किया।

भारत वर्ष 2030 में अहमदाबाद में अगले राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करेगा। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों के समापन समारोह के दौरान खेलों की मेजबानी का औपचारिक हैंडओवर' भारत को किया जाएगा।

ईरान युद्ध खत्म करने के समझौते की रूपरेखा बनी, अमेरिका नए हमले नहीं करेगा : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि पश्चिम एशिया के सहयोगी देशों ने ईरान के साथ पांच महीने से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए एक समझौते की रूपरेखा पर सहमति बना ली है। उन्होंने कहा कि फिलहाल वह इस संघर्ष में ईरान पर नए सैन्य हमले का आदेश नहीं देंगे। ट्रंप ने शनिवार शाम को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि इस समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य को तत्काल और पूरी तरह खोलना तथा ईरान के परमाणु खतरे का अंत शामिल होगा। उन्होंने कहा, इस अनुरोध के आधार पर मैंने दुनिया के

भविष्य के हित में और साथ ही एक सफल एवं समृद्ध ईरान के अस्तित्व को ध्यान में रखते हुए फिलहाल हमलों को रोकने पर सहमति दी है, बशर्ते कि शीघ्र ही कोई समझौता हो सके। अमेरिका और इजराइल द्वारा 28 फरवरी को ईरान पर हमला किए जाने के बाद से राष्ट्रपति ट्रंप कई बार ईरान पर हमले रोकने की घोषणा कर चुके हैं लेकिन हर बार हालात फिर बिगड़ गए और दोनों पक्षों के बीच संघर्ष दोबारा शुरू हो गया। ईरान के रक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि ट्रंप की हालिया घोषणा से ईरान न तो हैरान है और न ही ढिलाई बरत रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका से मिलने वाली धमकियों के मद्देनजर ईरान पूरी तरह सतर्क और सजग बना हुआ है। क्षेत्रीय मामलों से जुड़े एक अधिकारी ने कहा कि सप्ताहांत में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा घोषित प्रस्ताव के तहत अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता फिर से शुरू करने तथा उन अनेक लंबित मुद्दों पर बातचीत जारी रखने की बात कही गई है, जिनके कारण पहले किसी समझौते पर प्रगति नहीं हो सकी थी।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह छत्रपति संभाजीनगर में घृष्णेश्वर मंदिर गये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह रविवार को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में घृष्णेश्वर मंदिर गये। यहां एलोरा में स्थित घृष्णेश्वर मंदिर इस इलाके के सबसे पुराने मंदिरों में से एक है और इसे '12 ज्योतिर्लिंगों' में से आखिरी माना जाता है। एक अधिकारी ने बताया कि छत्रपति संभाजीनगर की दो दिवसीय यात्रा के दौरान सिंह ने महाराष्ट्र में कपास क्षेत्र से जुड़े अलग-अलग लोगों के साथ उत्पादन, गुणवत्ता और विपणन आदि विषयों पर बातचीत भी की। अधिकारी ने बताया केंद्रीय मंत्री ने 'कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया' के 56वें स्थापना दिवस समारोह में हिस्सा लेने के अलावा कपास की खेती के लिए अपनाए जा रहे आधुनिक तौर-तरीकों पर भी चर्चा की। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थानीय कार्यालय का दौरा भी किया और एक बैठक की। सिंह ने पोस्ट किया, ''श्रावण के पवित्र महीने में, महाराष्ट्र में श्री घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग महादेव के दिव्य धाम में मैंने दर्शन और पूजा-अर्चना की तथा भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। मैंने बाबा भोलेनाथ से सभी के जीवन में सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना की।''

हीराकुड से छोड़ा गया पानी कटक पहुंचा, उड़ीसा के 10 जिले हाई अलर्ट पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में हीराकुड बांध से छोड़ा गया अतिरिक्त पानी रविवार को कटक के पास मुंडाली पहुंच गया, जिससे महानदी के जलस्तर में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। तटीय क्षेत्र के 10 जिलों को हाई अलर्ट पर रखा गया है, हालांकि नदी से सटे निचले क्षेत्रों में फिलहाल बाढ़ का कोई बड़ा संकट नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुंडाली में जलस्तर बढ़कर रविवार सुबह नौ बजे 5.73 लाख क्यूसेक तक पहुंच गया, जो शनिवार को 4.74 लाख क्यूसेक था।

जल संसाधन विभाग के प्रमुख अभियंता (इंजीनियर-इन-चीफ) दिलीप कुमार राउत ने कहा, कटक के पास मुंडाली में जलस्तर बढ़ा जरूर है, लेकिन महानदी में उफान का सबसे खतरनाक समय बीत चुका है। मुंडाली में अधिकतम जलस्तर करीब सात लाख क्यूसेक तक जा सकता है। इससे पहले बृहस्पतिवार रात को मुंडाली से सबसे अधिक 8.88 लाख क्यूसेक पानी बह चुका है। राउत ने बताया कि यदि क्षेत्र में दोबारा भारी बारिश नहीं होती है, तो यह अतिरिक्त पानी बिना किसी बड़े नुकसान या नए क्षेत्रों को डुबोए आसानी से निकल जाएगा।

हीराकुड बांध के 22 गेट खोलकर पानी छोड़े जाने के बाद, राज्य सरकार ने महानदी घाटी क्षेत्र के 10 जिलों को हाई अलर्ट पर रखा है। अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं क्योंकि बढ़ा हुआ जलस्तर खोरधा, कटक, पुरी, केंद्रपाड़ा और जगतसिंहपुर के निचले क्षेत्रों में नुकसान पहुंचा सकता है। मौसम विभाग ने सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे तक अपनी चेतावनी में कहा है कि बालासोर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, कटक, सुंदरगढ़, अंगुल, ढेंकनाल, क्योंझर, मयूरभंज, कालाहांडी, नवरंगपुर, रायगड़ा, कोरापुट, मलकानगिरी, गजपति, गंजाम, पुरी, खोरधा और नयागढ़ जैसे 21 जिलों में तेज हवाओं और बिजली चमकने के साथ बारिश हो सकती है। इस बीच, उत्तरी ओडिशा में बाढ़ से आठ लाख से अधिक आबादी प्रभावित हुई है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बताया कि सालंदी, जलका, वैतरणी, ब्राह्मणी और बूढ़ाबलंग नदियों के उफान के कारण कई गांव अब भी जलमग्न हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि उत्तरी ओडिशा के जिलों में नदियों का जलस्तर तेजी से घट रहा है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को प्रभावित जिलों में राहत और पुनर्वास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने दो उपमुख्यमंत्रियों सहित कैबिनेट मंत्रियों को राहत कार्यों की कमान सौंपने को कहा है, जबकि अन्य मंत्रियों को बाढ़ राहत और बचाव कार्यों की निगरानी करने का जिम्मा दिया गया है।

भारतीय इतिहास की पढ़ाई को उपनिवेशवादी सोच से मुक्त करने की जरूरत : अमीश

पुणे/भाषा। भारतीय इतिहास की पढ़ाई को उपनिवेशवादी सोच से मुक्त करने की जरूरत पर जोर देते हुये लेखक अमीश त्रिपाठी ने कहा कि कई स्कूलों की इतिहास की किताबों में अब भी औपनिवेशिक दौर के पूर्वाग्रह दिखाई देते हैं।

त्रिपाठी ने इसके साथ ही कहा है कि हर पीढ़ी ने अपने समय में विरोध-प्रदर्शनों में हिस्सा लिया है और 'जेन जेड' भी इससे अलग नहीं है लेकिन असहमति का प्रदर्शन हमेशा संविधान की सीमाओं के भीतर होना चाहिए, जैसा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने परिकल्पित किया था। अमीश अपनी नई पुस्तक 'ध्रुव-तारा: द ग्रेट इंडियन हिस्ट्री क्विज' के बारे में शनिवार को पीटीआई-भाषा' से पुणे में बातचीत कर रहे थे । त्रिपाठी ने ''भारतीय इतिहास की पढ़ाई को उपनिवेशवादी सोच से मुक्त'' करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

उन्होंने कहा कि कई स्कूलों की इतिहास की किताबों में अब भी औपनिवेशिक दौर के पूर्वाग्रह दिखाई देते हैं। भारतीय इतिहास की शिक्षा पर त्रिपाठी ने कहा कई पाठ्यपुस्तकों में अब भी उपनिवेशवादी दृष्टिकोण मौजूद है। उन्होंने कहा, ''आज भी कई चीजें इतिहास के उपनिवेशवादी संस्करण को आगे बढ़ा रही हैं।'' उनकी नई पुस्तक का उद्देश्य रोचक कहानी के माध्यम से बच्चों को ''उपनिवेशवादी दृष्टिकोण से मुक्त'' इतिहास से जुड़े तथ्य प्रस्तुत करना है। उन्होंने कहा, ''इस पुस्तक का उद्देश्य मनोरंजक कहानी के जरिए बच्चों को उपनिवेशवादी सोच से मुक्त दृष्टिकोण के साथ इतिहास के तथ्य सिखाना है, ताकि वे कहानी का आनंद भी लें और साथ ही बहुत कुछ सीखें भी।''

नशामुक्त युवा ही विकसित भारत का सबसे बड़ा आधार: मुख्यमंत्री मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को नशे को ''नाश की जड़'' बताते हुए कहा कि नशामुक्त भारत ही विकसित भारत की पहली शर्त है और नशामुक्त युवा ही विकसित भारत का सबसे बड़ा आधार हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा डिजिटल माध्यम से 'नशा मुक्त युवा- विकसित भारत संकल्प अभियान' की शुरुआत किए जाने के अवसर पर भोपाल में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने मध्यप्रदेश में नशे के अवैध कारोबार और मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी तरीके से रोक लगाने के लिए पड़ोसी राज्यों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार हर गली, मोहल्ले, गांव और चौराहे तक नशा मुक्ति अभियान चलाकर लोगों को जागरुक कर रही है। साथ ही नशे के अवैध कारोबार में शामिल अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा, ''प्रदेश के 19 धार्मिक नगरों में निकाय और पंचायत सीमाओं के भीतर शराबबंदी लागू की गई है। शराब की दुकानें हटाई जा चुकी हैं। अब सड़कों के किनारे लगने वाली धूम्रपान की दुकानें भी धीरे-धीरे कम हो रही हैं।'' यादव ने युवाओं से सभी प्रकार के नशे से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि राज्य सरकार नशे के कारण होने वाले अपराधों को लेकर बेहदसंवेदनशील है। नशे की गिरफ्त में आए लोगों को मुख्यधारा में वापस लाने के लिए पुनर्वास के अवसर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के युवाओं, सामाजिक संगठनों,आचार्यों,प्राचार्यों, शिक्षकों, चिकित्सकों, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और स्वयंसेवकों से नशे के खिलाफ अभियान को जन आंदोलन बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

एबीवीपी राष्ट्रीय गीत को कानूनी संरक्षण मिलने के बाद 'वंदे मातरम' अभियान शुरू करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने रविवार को भारत के सभी शैक्षणिक परिसरों में 'वंदे मातरम' अभियान शुरू करने की घोषणा की।

यहां अलुवा में आयोजित एबीवीपी की दो दिवसीय केंद्रीय कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के समापन अवसर पर यह घोषणा की गई। इस कार्यक्रम में देशभर से राष्ट्रीय पदाधिकारी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री और वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए।

केंद्रीय कार्यसमिति ने संसद में राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित होने का स्वागत किया। इस विधेयक के तहत 'वंदे मातरम' गीत के सम्मान को कानूनी संरक्षण दिया गया है।

एबीवीपी के राष्ट्रीय महामंत्री वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि संगठन देशभर के शैक्षणिक संस्थानों में 'वंदे मातरम् के150 वर्ष : कैंपस से कैंपस वंदे मातरम् अभियान' शुरू करेगा। सोलंकी ने कहा, संसद द्वारा वंदे मातरम् के सम्मान को कानूनी संरक्षण देने का निर्णय एक ऐसे प्रतीक की ऐतिहासिक मान्यता है, जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को प्रेरणा दी और आज भी देश के आत्मसम्मान व सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक बना हुआ है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से एबीवीपी देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता व संवैधानिक जिम्मेदारी का संदेश हर शैक्षणिक परिसर और हर गांव तक पहुंचाएगी।

मादक पदार्थों का सेवन सपनों को चकनाचूर कर देता है : गोवा के मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के मंत्री विश्वजीत राणे ने रविवार को कहा कि नशीले पदार्थों का सेवन सपनों को चकनाचूर कर देता है, परिवारों को तोड़ देता है और समाज को कमजोर करके अंततः राष्ट्र की प्रगति में बाधा डालता है।

उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत' का निर्माण तभी संभव है, जब नई पीढ़ी शारीरिक रूप से स्वस्थ और मानसिक रूप से सशक्त हो। राणे ने यह बात वल्पोई में विकसित भारत के लिए 'नशा मुक्त युवा संकल्प अभियान' की देशव्यापी शुरूआत के अवसर पर कही।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई इस पहल में गोवा के सैकड़ों युवाओं ने भाग लिया। इसके तहत उत्तरी गोवा के वल्पोई और उसगांव में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। राणे ने कहा

कि इस अभियान की शुरुआत एक परिवर्तनकारी 'जन भागीदारी' आंदोलन का आरंभ है। उन्होंने कहा, ''संदेश स्पष्ट है-विकसित भारत का निर्माण केवल ऐसी पीढ़ी ही कर सकती है, जो शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से मजबूत, आत्मविश्वास से भरपूर और नशे से मुक्त हो।'' विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा संकल्प अभियान' का उद्देश्य युवाओं को नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने के लिए प्रेरित करना तथा उन्हें अपने-अपने समुदायों में सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन का दूत बनने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अभियान के साथ ही 100 सप्ताह तक चलने वाले देशव्यापी 'जन भागीदारी' अभियान की भी शुरुआत हुई। इसके तहत देशभर में प्रत्येक रविवार को विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए लोगों की भागीदारी को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सही कहा है कि नशीले पदार्थों का दुरुपयोग केवल किसी एक व्यक्ति को ही बर्बाद नहीं करता, बल्कि यह सपनों को चकनाचूर कर देता है, परिवारों को तोड़ता है, समाज को कमजोर करता है और अंततः राष्ट्र की प्रगति में बाधा बनता है।'' मंत्री ने कहा कि 100 सप्ताह तक चलने वाला देशव्यापी जन भागीदारी' अभियान प्रत्येक नागरिक से परिवर्तन का वाहक बनने का सशक्त आह्वान है।

''पूरा यकीन है कि फडणवीस देर-सवेर प्रधानमंत्री बनेंगे''

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के चाचा बालासाहेब फडणवीस ने रविवार को कहा कि उन्हें पूरा यकीन है कि उनका भतीजा ''देर-सवेर'' देश का प्रधानमंत्री बनेगा। सेवानिवृत्त बैंकर बालासाहेब फडणवीस यहां 'देवाभाऊ' किताब के विमोचन पर एक सभा को संबोधित रहे थे, जो मुख्यमंत्री की जिदगी पर आधारित है। भाजपा के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस को उनके समर्थक प्यार से 'देवाभाऊ' बुलाते हैं। बालासाहेब फडणवीस ने कहा, मुझे पक्का विश्वास है कि देर-सवेर, मेरा भतीजा भारत का प्रधानमंत्री बनेगा। अपने भतीजे के शुरुआती वर्षों और राजनीतिक सफर को याद करते हुए, बालासाहेब ने कहा कि देवेंद्र फडणवीस ने कानून की पढ़ाई में स्वर्ण पदक हासिल किया था और वह एक बेहतरीन वक्ता और ऐसे व्यक्ति थे, जो कभी परिवार की बातचीत में राजनीति नहीं लाते और घर पर शांत रहते हैं।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेड्डी ने सिकंदराबाद के उज्जैनी महाकाली मंदिर में पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने रविवार को बोनालू पर्व के अवसर पर यहां स्थित श्री उज्जैनी महाकाली मंदिर में पूजा-अर्चना की। बोनालू तेलंगाना में एक महीने तक मनाया जाने वाला लोकपर्व है। मुख्यमंत्री के साथ मंत्री पोन्नम प्रभाकर, कोंडा सुरेखा और दानासरी अनसुया (सीतक्का) सहित पार्टी के कई नेता भी मंदिर पहुंचे। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने भी सिकंदराबाद स्थित मंदिर में पूजा-अर्चना की।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सिकंदराबाद

उज्जैनी महाकाली बोनालू महोत्सव के अवसर पर श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं दीं।

किशन रेड्डी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''थोट्टेला और घाटा शोभायात्राओं के साथ इस पवित्र पर्व की समृद्ध परंपराएं जीवंत हो रही हैं। मां महाकाली का आशीर्वाद तेलंगाना के सभी लोगों पर बना रहे।''

उन्होंने कहा, ''यह शुभ अवसर आस्था और भक्ति की भावना को और मजबूत करे तथा शक्ति स्वरूपा मां महाकाली सभी को उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद दें। सभी को बोनालू की हार्दिक शुभकामनाएं।'' सिकंदराबाद के महाकाली मंदिर में वार्षिक बोनालू महोत्सव की शुरुआत भव्य रूप से हुई, जहां देवी के दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

बरनाला में कांग्रेस के कार्यक्रम में चन्नी के समर्थन में नारे लगे, प्रदेश कांग्रेस में कलह गहरायी

बरनाला/भाषा। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की कोशिश के बावजूद पार्टी की पंजाब इकाई में अंदरूनी कलह थम नहीं रही है तथा रविवार को यहां एक कार्यक्रम में पंजाब मामलों के प्रभारी पार्टी महासचिव भूपेश बघेल की मौजूदगी में पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के समर्थकों ने नारेबाजी की। कांग्रेस अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव के प्रचार की तैयारी में जुटी है लेकिन पार्टी के कार्यक्रमों में चन्नी के समर्थक लगातार नारेबाजी कर रहे हैं। शनिवार को पटियाला और संगरूर में 'हर बूथ कांग्रेस मजबूत' कार्यक्रमों में भी चन्नी के समर्थन में नारे लगाने के कारण व्यवधान पैदा हुआ था। बघेल ने हालांकि कहा कि अब समय आ गया है कि पंजाब में कांग्रेस के नेता एकजुट रहें और आम आदमी पार्टी (आप) तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ ''बड़ी लड़ाई'' लड़ें, क्योंकि ये दोनों पार्टी एक ही सिक्के के 'दो पहलू' हैं। रविवार को बरनाला में कार्यक्रम के दौरान, पार्टी कार्यकर्ताओं का एक समूह चन्नी के समर्थन में नारे लगाने लगा जिससे कुछ देर के लिए कार्यक्रम में व्यवधान उत्पन्न हुआ।

प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने उनसे बैठक होने देने की अपील की। उन्होंने उनसे कहा, 'कोई नारा नहीं।' नाराज नेताओं को शांत करने के लिए बरनाला के विधायक कुलदीप सिंह काला ढिल्लों मंच से नीचे उतरे। बिना किसी का नाम लिए ढिल्लों ने कहा, ''इस राज्य में पांच- सात ऐसे नेता हैं जो दिल्ली में बातें करते हैं और अपनी कहानियां बनाते हैं। दिल्ली में इंदिरा भवन में बैठकर वे कांग्रेस को मजबूत करने की बातें करते हैं।

जंगल में छोड़े गए भारतीय गिद्ध ने आठ सप्ताह में 1,600 किमी से अधिक की उड़ान भरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। संरक्षण कार्यक्रम के तहत प्राकृतिक आवास में छोड़े गए एक भारतीय गिद्ध ने 56 दिन में 1,600 किलोमीटर से अधिक की उड़ान भरकर यह साबित कर दिया कि वह जंगल में सफलतापूर्वक जीवन जीने में सक्षम है।

वन्यजीव विशेषज्ञों ने रविवार को यह जानकारी दी। 'बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी' (बीएनएचएस) के शोधकर्ताओं ने बताया कि जे132' नाम से चिह्नित इस गिद्ध ने 17 जून को एक ही दिन में 168 किलोमीटर की सबसे लंबी उड़ान भरी। बीएनएचएस के अनुसार, इस गिद्ध को सात जून को नासिक में तीसरी बार प्राकृतिक आवास में छोड़ा गया था। इससे पहले दो बार उसे जंगल में छोड़ा गया, लेकिन उसकी शारीरिक स्थिति और जीवित रहने की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए दोबारा पकड़कर देखभाल की गई थी। संस्था ने एक बयान में कहा कि पिछले आठ सप्ताह के दौरान यह गिद्ध 1,618 किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर चुका है। इस दौरान उसने लंबी उड़ान भरने की क्षमता, जंगल में जीवित रहने के कौशल

और प्राकृतिक वातावरण के साथ सफल सामंजस्य का शानदार प्रदर्शन किया है। बीएनएचएस के निदेशक किशोर रिठे ने कहा, सबसे अहम बात यह है कि हमारी निगरानी टीम ने नासिक के ढोल ओहोल और देवडोंगरा क्षेत्रों में 'जे132' को कई जंगली गिद्धों के साथ उड़ते और प्रवास करते देखा।

उन्होंने बताया, ''मूसलाधार बारिश के दौरान भी यह गिद्ध अपने दम पर मृत मवेशियों को खोजकर जंगली गिद्धों के साथ भोजन करता दिखाई दिया। इससे साबित होता है कि वह व्यवहारिक रूप से पूरी तरह प्राकृतिक जीवन के अनुरूप ढल चुका है।'' उपग्रह आधारित निगरानी से पता चला है कि पिछले आठ सप्ताह के दौरान इस गिद्ध ने प्रतिदिन औसतन लंबी दूरी तय की। इसकी सबसे लंबी एकदिवसीय उड़ान 17 जून को 168 किलोमीटर दर्ज की गई। इस दौरान यह उत्तरी नासिक के उन इलाकों में सक्रिय रहा, जिन्हें गिद्धों का महत्वपूर्ण आवास माना जाता है।

गुरुपूर्णिमा पर कांग्रेस नेता पटोले के समर्थकों ने उनके पैर धोए, भाजपा के मंत्री ने खिल्ली उड़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नाना पटोले के समर्थकों द्वारा गुरुपूर्णिमा के अवसर पर उनके पैर धोने का एक कथित वीडियो सामने आया है।

इस वीडियो को लेकर राज्य के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने विपक्षी दल पर तंज कसते हुए उसकी संस्कृति' को लेकर खिल्ली उड़ाई है।

राजस्व मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बावनकुले ने संवाददाताओं से कहा, यह कांग्रेस नेताओं की संस्कृति है कि वे इस तरह की गतिविधियों में शामिल होते हैं।

उन्हें ऐसी घटनाओं से सबक लेना चाहिए था। ऐसी प्रथाओं में क्यों शामिल होना चाहिए जिससे आपको केवल आलोचना और नकारात्मक प्रचार के अलावा और कुछ हासिल न हो?

वह उस वीडियो पर प्रतिक्रिया दे रहे थे जिसमें राज्य विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष पटोले के समर्थक गुरुपूर्णिमा उत्सव के हिस्से के रूप में कथित तौर पर उनके पैर धोते और पूजा करते दिखाई दे रहे हैं।

भारी बारिश से प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए हरसंभव प्रयास कर रही केरल सरकार : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने केरल में भारी बारिश से हुई तबाही के बीच रविवार को कहा कि राज्य सरकार प्रभावित परिवारों की मदद करने और राहत व बचाव कार्यों के समन्वय के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों से भी इन प्रयासों में हर संभव मदद करने की अपील की। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने 'एक्स' पर लिखा, ''केरल में भारी बारिश से हुई तबाही से मैं बहुत दुखी हूं। जिन आठ लोगों की जान गई है, उनके परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त

करता हूं। कामना करता हूं कि जो लोग लापता हैं, वे सुरक्षित मिलें और घायल लोग जल्द स्वस्थ हों।''

उन्होंने कहा, ''राज्य सरकार प्रभावित परिवारों की मदद करने और राहत व बचाव कार्यों का समन्वय करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मैं कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों से अपील करता हूं कि वे इन प्रयासों में हर संभव सहयोग करें।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी ने कहा, ''कृपया सतर्क रहें, खासकर पहाड़ी इलाकों में, और प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों का पालन करें।'' उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में पूरा केरल एकजुट होकर खड़ा है। गांधी ने कहा, ''मैं हर प्रभावित परिवार के साथ मजबूती से खड़ा हूं।''

केरल के मुख्यमंत्री सतीशन ने कहा कि एक दिन पहले हुई भारी बारिश के कारण भूस्खलन, जलभराव और राज्य के कई हिस्सों में संपत्ति का नुकसान हुआ। सतीशन ने कहा कि आठ लोगों की मौत हुई और आठ अन्य लोग लापता हैं। बारिश जनित घटनाओं में 13 लोग घायल हुए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि 27 घर पूरी तरह नष्ट हो गए हैं, 196 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है और 5,792 लोगों को राज्य में बनाए गए 209 राहत शिविरों में पहुंचाया गया है।

तमिलनाडु के मंत्री ने कावेरी मुद्दे पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मंत्री सी टी आर निर्मल कुमार ने कर्नाटक के साथ जारी कावेरी जल विवाद पर चर्चा के लिए राज्य के विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा की गयी सर्वदलीय बैठक की मांग रविवार को खारिज कर दी। कुमार ने कहा कि सभी राजनीतिक दलों के सहयोग एवं सहभागिता से पहले ही विधानसभा से सर्वसम्मति से एक विस्तृत प्रस्ताव पारित किया जा चुका है। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक), ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक), पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) और विदुथलाई चिरुथुगल काची (वीसीके) ने सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है। मंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन और कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार कावेरी जल विवाद में तमिलनाडु के हितों को कमजोर करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, ''हमारी विधानसभा में सभी राजनीतिक दलों के समर्थन और भागीदारी से सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया गया। सभी दलों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव का समर्थन किया।'' कुमार ने कहा, ''उस प्रस्ताव से जुड़ी हर बात पर वहीं चर्चा हुई थी। अगर कोई विरोध जताना होता, तो उसे तभी उठाया जा सकता था। उन्होंने सब कुछ सुनने के बाद ही तो समर्थन किया था, किया था न? क्या सभी को बोलने का बराबर मौका नहीं दिया गया था? सभी ने अपनी बात रखी थी।'' उन्होंने कहा, ''तो फिर, सिर्फ चार दिन पहले, उसने (अन्नाद्रमुक) उसी प्रस्ताव को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में याचिका क्यों दायर की, जिसका

उन्होंने समर्थन किया था? जैसे ही उसने उच्च न्यायालय में मामला दायर किया, उसके दो दिन बाद द्रमुक ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर दी। आखिर इस सब से नुकसान किसका होता है? तमिलनाडु की जनता का। मुख्यमंत्री के लिए मुश्किलें खड़ी करने की आड़ में, वे जनता के हितों के खिलाफ काम कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''ऐसे हालात में आप हमसे यह उम्मीद कैसे कर सकते हैं कि हम इन्हीं लोगों को एक सर्वदलीय बैठक में बुलाएं?''

कुमार ने कहा कि उच्चतम न्यायालय में द्रमुक की ओर से ''जल्दबाजी'' में दायर की गयी याचिका से बेवजह भ्रम पैदा हुआ है। मंत्री ने कहा, कल सुबह विभिन्न हितधारकों से विचार-विमर्श करने के बाद मुख्यमंत्री ने फैसला किया कि इस मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की जानी चाहिए। दोपहर तक उच्चतम न्यायालय में हमारे वकील उमापति ने सभी चर्चाएं पूरी होने के बाद याचिका दायर करने की रणनीति की घोषणा की और प्रक्रिया शुरू कर दी। उन्होंने कहा, ''इसी दौरान द्रमुक ने शाम पांच बजे के बाद जल्दबाजी में अपनी याचिका दाखिल कर दी। एक ही राज्य की ओर से एक ही मुद्दे पर कई याचिकाएं दायर होने से भ्रम की स्थिति पैदा होती है। पिछले पांच वर्षों में द्रमुक ने क्या किया? क्या उसने इससे पहले इस मामले में एक भी याचिका दायर की थी?'' मंत्री ने कहा, ''कर्नाटक में सभी एक ही रुख पर एकजुट हैं। वे हमें पानी नहीं छोड़ने के अपने फैसले पर अड़े हुए हैं और इस मुद्दे पर वहां किसी के दो मत नहीं हैं। यहां राजनीतिक दल अपनाई जाने वाली रणनीति पर एकमत नहीं हैं।'' द्रमुक और डी. के. शिवकुमार के बीच करीबी और सौहार्दपूर्ण संबंध होने का दावा करते हुए मंत्री ने कहा, दोनों के राजनीतिक रुख काफी हद तक एक-दूसरे से मेल खाते हैं। मंत्री ने कथित राजनीतिक खरीद-फरोख्त को लेकर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, द्रमुक के लिए विधायकों की खरीद-फरोख्त की कथित साजिश के लिए बेंगलूरु को वित्तीय सुरक्षित ठिकाने के रूप में इस्तेमाल किया।

उन्होंने कहा, ''हमारे विधायकों की कथित खरीद-फरोख्त से जुड़े मामले में जब्त की गई अधिकांश धनराशि बेंगलूरु में जब्त हुई थी और धन का बड़ा हिस्सा भी वहीं से था।''

ज़ाइडस पिंकथॉन का आयोजन, हजारों महिलाओं ने भाग लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ज़ाइडस पिंकथॉन चेन्नई द्वारा आयोजित मैराथन दौड़ में रविवार को आइलैंड ग्राउंड्स में लगभग तीन हजार से अधिक महिलाओं ने शहर की जीवंत दौड़ संस्कृति का जश्न मनाते हुए स्वास्थ्य, फिटनेस और निवारक देखभाल के महत्व को रेखांकित किया। इस आयोजन में 3 किमी, 5 किमी और 10 किमी से लेकर 50 किमी, 75 किमी, 100 किमी और 100 किमी रिले जैसी अल्ट्रा-डिस्टेंस स्पर्धाओं की दौड़ श्रेणियां शामिल थीं, जिसमें सभी आयु वर्ग, क्षमताओं और फिटनेस स्तरों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों में पहली बार दौड़ने वाले, अनुभवी एंड्योरेंस एथलीट, कैंसर से उबर चुके लोग, दृष्टिबाधित धावक, शिशु को गोद में लेकर दौड़ने वाली माताएं और वरिष्ठ नागरिक भी शामिल थे, जो यह दर्शाता है कि जीवन के हर पड़ाव पर महिलाएं फिट रह सकती है।

इस कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण आकर्षण कैंसर रोगियों के लिए अपने बाल दान करना था, जिसमें कई महिलाओं ने स्वेच्छा से भाग लिया। पिंकथॉन के संस्थापक मिलिंद सोमन ने मंच पर स्वयं उनके बाल काटे और दान किए गए बालों का उपयोग कैंसर रोगियों के लिए विग बनाने में किया जाएगा, जो स्तन कैंसर जागरूकता, कैंसर से बचे लोगों के समर्थन और महिलाओं के कल्याण के प्रति इस आंदोलन की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है । इस पिंकाथान में 3 किमी श्रेणी में ज़ोहा सनोफ़र 5 किमी की दौड़ का नेतृत्व नंदिता मुरलीधर 10 किमी श्रेणी में धाविका गायत्री एम, 50 किमी श्रेणी में गीता मणिचंदर ने प्रतिनिधित्व किया।इन सभी महिलाओं ने मिलकर उस लचीलेपन, साहस और दृढ़ संकल्प का उदाहरण प्रस्तुत किया जो ज़ाइडस पिंकाथॉन की पहचान है। पिंकाथॉन के संस्थापक मशहूर फिटनेस आइकन मिलिंद सोमन ने कहा कि ज़ाइडस पिंकाथॉन का हमेशा से यही उद्देश्य रहा है कि एक ऐसा समावेशी मंच बनाना जहाँ हर महिला अपने स्वास्थ्य की जिम्मेदारी स्वयं ले और वह सशक्त महसूस करे। इस पहल के बारे में बात करते हुए, ज़ाइडस लाइफ़साइंसेज के प्रवक्ता ने कहा कि इस मैराथन दौड़ में देखी गई व्यापक भागीदारी इस बात को दर्शाती है कि महिलाएं अपने स्वास्थ्य और कल्याण को कितना महत्व दे रही हैं। भारत के फिटनेस इकोसिस्टम पर इस आंदोलन के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित करते हुए, भारतीय खेल प्राधिकरण के उप महानिदेशक मयंक श्रीवास्तव ने कहा कि फिटनेस आंदोलन तब सबसे अधिक प्रभाव डालते हैं जब वे समुदायों में विकसित होते हैं, और पिंकाथॉन इसका एक उल्लेखनीय उदाहरण है।

पलक्कड़ जल प्रपात हादसा

तमिलनाडु की महिला पर्यटक की बह जाने से मौत, एक अन्य को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पलक्कड़/भाषा। केरल में पलक्कड़ के पास स्थित पलक्कुझी जलप्रपात में रविवार को तेज बहाव में बहे तमिलनाडु के दो पर्यटकों में से एक व्यक्ति को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि उसके साथ आई महिला पर्यटक की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मृत महिला की पहचान कोयंबटूर निवासी भानुप्रिया के रूप में हुई है। वहीं, अग्निशमन एवं बचाव सेवा विभाग के कर्मियों ने भरत नाम के युवक को बचा लिया। दोनों कोयंबटूर से आए पांच सदस्यीय पर्यटकों के समूह का हिस्सा थे।

वडक्कनचेरी अग्निशमन केंद्र के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें दोपहर में सूचना मिली कि किझक्केनचेरी स्थित जलप्रपात में एक युवक और महिला तेज धारा में बह गए हैं।

सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। अधिकारियों के अनुसार, युवक चट्टानों पर गिर गया था और उसे मामूली चोटें आई थीं। उसे रस्सियों की मदद से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि निचले इलाके में चट्टानी हिस्से पर गिरी भानुप्रिया तक जब लगभग दो घंटे के प्रयास के बाद बचाव दल पहुंचा, तब तक उसकी मौत हो

चुकी थी। अधिकारियों ने बताया कि महिला चट्टानों के बीच फंसी हुई है, इसलिए आलथुर और पलक्कड़ अग्निशमन एवं बचाव सेवा केंद्रों से अतिरिक्त कर्मियों को भी तैनात किया गया है। प्रशासन के मुताबिक, भारी बारिश को देखते हुए जिला प्रशासन ने पलक्कड़ के पहाड़ी इलाकों में पर्यटकों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगा रखा था। प्रतिबंधों से अनजान तमिलनाडु से आए पांच लोगों का यह समूह पलक्कुझी जलप्रपात क्षेत्र में पहुंच गया था। अधिकारियों ने बताया कि घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि पर्यटक इस प्रतिबंधित क्षेत्र में कैसे दाखिल हुए।

नीट परीक्षा के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर दर्ज मामले वापस लिए जाएंगे : तमिलनाडु के मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने नीट परीक्षा के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर दर्ज सभी मामले वापस लेने का फैसला किया है। राज्य के स्कूल शिक्षा मंत्री ए. राजमोहन ने रविवार को यह जानकारी दी। मंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि यह फैसला मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के निर्देश पर लिया गया है। उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार, नीट परीक्षा के खिलाफ प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर दर्ज सभी मामले वापस लिए जाएंगे। इस संबंध में विस्तृत जानकारी जल्द जारी की जाएगी।''

उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, ''तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का हार्दिक धन्यवाद।'' यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब नीट प्रश्नपत्र लीक के विरोध में दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के प्रदर्शन करने के बाद राज्य में नीट विरोधी प्रदर्शनकारियों पर मामले दर्ज किए जाने को लेकर सरकार को कुछ वर्गों की आलोचना का सामना करना पड़ रहा था।

मेकेदातु बांध से कावेरी का पानी तमिलनाडु आना बंद हो जाएगा : अंबुमणि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। पट्टालि मक्कल काच्चि (पीएमके) के अध्यक्ष अंबुमणि रामदास ने रविवार को कहा कि अगर प्रस्तावित मेकेदातु जलाशय बन गया होता, तो तमिलनाडु को कर्नाटक के काबिनी जलाशय से अभी जितना पानी मिल रहा है, उतना भी नहीं मिल पाता।

पीएमके नेता ने एक बयान में तमिलनाडु सरकार से कर्नाटक की इस परियोजना को लागू करने की कोशिश का कड़ा विरोध करने की अपील की तथा सभी राजनीतिक दलों एवं किसान संगठनों को साथ लेकर एक संयुक्त कार्य योजना बनाये जाने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि पिछले दो दिनों में कर्नाटक से अनियमित मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है।

उन्होंने कहा, ''शनिवार को काबिनी जलाशय से कावेरी में पानी का बहाव बढ़ाकर

25,000 क्यूसेक कर दिया गया था। रविवार सुबह इसे काफी घटाकर 10,000 क्यूसेक कर दिया गया, लेकिन बाद में इसे बदलकर 14,958 क्यूसेक कर दिया गया। फिर पानी का बहाव बढ़कर 28,009 क्यूसेक हो गया।'' अंबुमणि ने आरोप लगाया, ''यह अनिश्चित पैटर्न साफ़ तौर पर दिखाता है कि कर्नाटक का तमिलनाडु को पानी का उसका कानूनी हिस्सा देने का कोई इरादा नहीं है। इसके बजाय, वह कावेरी नदी का इस्तेमाल – जो तमिलनाडु से होकर बहती है – सिर्फ़ अतिरिक्त पानी निकालने के लिए एक बाढ़ निकासी चैनल के तौर पर कर रहा है।'' मौजूदा भंडारण स्तर का ज़िक्र करते हुए, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री रह चुके अंबुमणि ने कहा कि कर्नाटक के चार बड़े जलाशयों में कुल 74.05 टीएमसी पानी था, जो उनकी कुल 114.57 टीएमसी क्षमता का 64 प्रतिशत है। उन्होंने दावा किया कि कर्नाटक को जुलाई के आखिर तक तमिलनाडु को 40 टीएमसी पानी देना है जिसे वह आसानी से लगभग भरे हुए हारंगी, हेमावती और काबिनी जलाशयों से छोड़ सकता था। उन्होंने आरोप लगाया, ''इसके बजाय, कर्नाटक हारंगी से छोड़े गए पानी का एक बड़ा हिस्सा कृष्णराज सागर (केआरएस) जलाशय को भरने के लिए उधर ले जा रहा है। हरंगी में पानी का बहाव 10,430 क्यूसेक है, केआरएस की ओर 14,470 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।'' उन्होंने दावा किया कि हेमावती के एक हफ़्ते के भीतर अपनी पूरी क्षमता तक भरने की उम्मीद है और इसके अतिरिक्त पानी को भी केआरएस जलाशय में जमा किया जाएगा, जो तमिलनाडु के पानी के वाजिब हिस्से को छोड़ने से कर्नाटक के लगातार इनकार को दर्शाता है।

टोनी एंड गाय के नए आउटलेट का शुभारंभ

चेन्नई। पॉलसंस ब्यूटी एंड फैशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा टोनी एंड गाय हेयरड्रेसिंग के नए आउटलेट का शुभारंभ अडियार में किया गया । इस अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. सैम पॉल अतिरिक्त अध्यक्ष रफी उपाध्यक्ष श्रीमती सोनिया वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज कुमार, पृथ्वीराज, फ्रांसिस एवं विपणन उपाध्यक्ष, सतीश सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पांच भाषाओं में छह हजार गीतों की विरासत छोड़ गईं जमुना रानी

चेन्नई। दक्षिण भारतीय सिनेमा में पुरानी परिपाटी को तोड़ते हुए जमुना रानी उर्फ जिक्की ने बुलंद, चुलबुली और जीवंत आवाज से उन गीतों को नई पहचान दी, जिन्हें उस समय पारंपरिक नायिकाओं की आवाज नहीं माना जाता था। उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा के दम पर हर तरह के गीतों में अपनी अमिट छाप छोड़ी। जमुना रानी ने अपने दशकों के करियर में पांच भाषाओं में छह हजार से अधिक गीतों को अपनी आवाज दी।

उन्होंने शास्त्रीय भक्ति गीतों से लेकर अपने दौर के चर्चितक्लब 'डांस गीतों' तक हर शैली के गीत गाए। जमुना का 30 जुलाई को बेंगलूरु में 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया। जमुना रानी ने बाल कलाकार के रूप में पार्श्वगायन की दुनिया में कदम रखा था। उन्होंने महज सात वर्ष की उम्र में 1946 की तेलुगु फिल्म 'त्यागय्या' से अपने करियर की शुरुआत की। किशोरावस्था में पहुंचते-पहुंचते वह मुख्य कलाकारों के लिए पार्श्वगायन करने लगी थीं। हालांकि, 1950 और 1960 के दशक में अपने अलग अवाज की वजह से पहचान बनी। उस दौर में जब नायिका की आवाज को मुलायम और नाजुक माना जाता

था, जमुना रानी ने एक अलग विकल्प पेश किया। उनकी आवाज में आत्मविश्वास था, जिसने उन्हें पश्चिमी शैली, नाटकीय अंदाज या तेज लय वाले गीतों के लिए सबसे उपयुक्त गायिका बना दिया। तमिल और तेलुगु सिनेमा में आधुनिकता का नया एहसास पैदा करने वाले उनके जोशीले गीत आज भी उनकी शैली की सबसे बड़ी पहचान माने जाते हैं। जब संगीतकारों ने जैज, कैबरे या पश्चिमी पॉप संगीत के प्रभाव वाले गीत तैयार किए, तो उनकी पहली पसंद जमुना रानी होती थीं।

तूतीकोरिन तट के पास एक नौका पलटी, सात मछुआरों को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तूतीकोरिन। तमिलनाडु के तूतीकोरिन तट के पास रविवार को तेज हवाओं के कारण एक नौका के पलटने से उस पर सवार सात मछुआरे समुद्र में कूद गए, जिसके बाद एक अन्य नौका पर सवार मछुआरों ने उन्हें सुरक्षित बचा लिया। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि नौका समुद्र में डूब गई, लेकिन चालक दल के सभी सदस्य पानी में कूद

गए और पास से गुजर रही मछली पकड़ने की एक अन्य नौका को पकड़ लिया, जिससे उनकी जान बच गई। उन्होंने बताया कि डूबी हुई नौका तूतीकोरिन के पास थरुवैकुलम गांव के सुगिर्थन की थी। यह नौका दो दिन पहले सात मछुआरों को लेकर समुद्र में गई थी। इस गांव के अधिकांश लोग मुख्य रूप से मछली पकड़ने का काम करते हैं।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, जब मछुआरे पुन्नाकयाल और तिरुचेंदूर के बीच समुद्र में जाल डाल रहे थे, तभी अचानक तेज हवाएं चलने लगीं, जिससे नौका का संतुलन बिगड़ गया। उन्होंने बताया कि नौका को डूबता देख सुगिर्थन और चालक दल के छह अन्य सदस्य समुद्र में कूद गए। 'पीटीआई वीडियो' के अनुसार, पास में काम कर रही एक मशीनीकृत नौका पर सवार मछुआरों ने उन्हें देखा और सातों लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। मत्स्य विभाग और तटीय सुरक्षा समूह (सीएसजी) पुलिस के अधिकारियों ने इस संबंध में मामला दर्ज कर दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

निविदा सूचना सं. 2026235212194R दिनांक 29/07/2026

निम्नलिखित ई-निविदा आई.आर.ई.पी.एस (IREPS) वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लॉग-इन करें और इस निविदा हेतु अपने कोटेशन कोट करें। इस निविदा के लिए मैन्युअल कोटेशन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्रम सं.	खुली निविदा सं.	मद का संक्षिप्त विवरण	निविदा का मूल्य (रुपये में)	निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तारीख/खुलने की तारीख
1	202623521219 4R	सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै में एलएसएलआरडी/एलएसएलआरडी(एबी)/एलवीपीहेच/एलडब्ल्यूसीबी (एबी) कोचों में संपूर्ण वायरिंग कार्य, जिसमें उपकरणों की हैंडलिंग और इंस्टालेशन भी शामिल हैं।	1,52,59,983.51	19/08/2026 को 15.00 बजे

उप मुख्य बिजली इंजीनियर/फर-।।

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

निम्नलिखित ई-निविदा आई.आर.ई.पी.एस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लॉगइन करें और निविदा के लिए अपना कोटेशन प्रस्तुत करें। इस निविदा के लिए मैन्युअल कोटेशन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

खुली निविदा सं.	अइटम का संक्षिप्त विवरण	निविदा मूल्य	निविदा की तिथि अंतिम तिथि और समय
2026476212314	एलएचबी डिवीज़न में गैस स्टोरेज सिस्टम, यूटिलिटी गैस सप्लाई लाइन, एमसीजी (एलपीजी) मैनिफोल्ड और उससे जुड़े सिस्टम के रखरखाव तथा सडिका अस्पताल में गैस स्टोरेज सिस्टम के रखरखाव हेतु तीन वर्ष के लिए 'वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध' (एएमसी) का कार्य अनुबंध।	रु. 98,42,651/-	दिनांक 20.08.2026 को 15.00 बजे तक

उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/संयंत्र

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

निविदा सूचना क्रमांक. 2026472212303

निम्नलिखित ई-निविदाएं आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रकाशित की गई हैं। योग्यता और अन्य नियमों व शर्तों के बारे में जानकारी के लिए फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लॉग इन करें। इन निविदाओं के लिए मैन्युअल कोटेशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

क्रम संख्या	निविदा सं.	कार्य का नाम	निविदा की तिथि	
			समापन समय	खुलने का समय
1	2026472212303	D&D सेंटर में CAD वर्कस्टेशन की सप्लाई, इंस्टॉलेशन और कमीशनिंग	21/08/2026 15.00 बजे	21/08/2026 15.00 बजे के बाद

सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नै-38

निविदा सूचना सं. सडिका/बिजली/निर्माण/2026-27, दिनांक 03.08.2026

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से उप मुख्य बिजली इंजीनियर/अनु/शेल, सवारी डिब्बा कारखाना निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं

निविदा सं.	कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य (रुपए लाख में)	बयाना राशि (रुपए में)	निविदा बंद करने की तारीख और समय
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
202624521231 7	ईएल-ए.एम.सी-2026-27-28 आईसीएफ के शेल, फर्निशिंग और एलएचबी डिवीजन के विभिन्न स्थानों पर लगे हेवी ड्यूटी रूफ एक्सट्रेक्टर पंखों का रखरखाव तीन साल करने के लिए वार्षिक रख-रखाव ठेका	64.07	1,28,200/-	26.08.2026 15.30 बजे
202624521223 5R	ईएल-डब्ल्यू-938 सडिका में आधिकारिक/वीवीआईपी कार्यक्रमों हेतु दो वर्षों की अवधि के लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम की हायरिंग।	13.32	26,700/-	26.08.2026 15.30 बजे

आवेदन जमा करने की वेबसाइटः www.ireps.gov.in

युवाओं के लिए पारदर्शिता से आयोजित की रिकॉर्ड भर्तियां : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान के विकास का रोडमैप बनाया, जिसके तहत पानी, बिजली, उद्योग, रोजगार एवं सड़क सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए गए हैं। रामजल सेतु लिंक परियोजना पर तेजी से काम हो रहा है। इससे आमजन, किसान और उद्योगों को पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित होगी। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन से शेखावाटी क्षेत्र के लिए यमुना जल समझौता संभव हो पाया। इसी प्रकार, उदयपुर तथा इसके आस-पास के क्षेत्रों के लिए भी देवास परियोजना के कार्यों को गति प्रदान की जा रही है।

मुख्यमंत्री रविवार को उदयपुर के नगर निगम सभागार में 421 करोड़ रुपये की लागत के 457 विकास कार्यों के लोकार्पण-शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिजली के क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के साथ 2.24 लाख करोड़ रुपये के एमओयू किए गए। वर्ष 2027 तक प्रदेश के सभी जिलों में किसानों को दिन में बिजली दी जाएगी। इसी क्रम में अब तक 26 जिलों में दिन में बिजली आपूर्ति की जा रही है। साथ ही, विभिन्न क्षमताओं के नए जीएसएस की स्थापना हो रही है। वहीं, किसान पीएम-कुसुम योजना से अन्नदाता के साथ ऊर्जादाता भी बन रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उद्योग और निवेश को बढ़ावा देने के लिए राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया गया। इसमें हुए 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से लगभग 9 लाख करोड़ रुपये के एमओयू धरातल पर उतर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को सरकारी क्षेत्र में 4 लाख नौकरियां देने के वादे को पूरा करने के क्रम में अब तक 1 लाख 78 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां प्रदान की गई हैं। 1 लाख 32 हजार से अधिक पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। वहीं, 70 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की तैयारी की जा रही है। अब तक कुल 3 लाख 80 हजार पदों पर भर्तियों का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पारदर्शिता के साथ सभी भर्ती परीक्षाएं आयोजित की गई हैं। निजी क्षेत्र में भी युवाओं के लिए साढ़े चार लाख रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उदयपुर झीलों की नगरी है। साथ ही, शक्ति और भक्ति की भी भूमि है। राजसमंद, उदयपुर और चित्तौड़गढ़ पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध जिले हैं। इन क्षेत्रों के विकास के लिए राज्य सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि उदयपुर जिले के आमजन के लिए 47 करोड़ रुपये से अधिक की 21 प्रमुख परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया है। इनमें 7 करोड़ रुपये से आर.एन.टी. मेडिकल कॉलेज में आधुनिक कैथ लैब, पौने पांच करोड़ रुपये से उदयपुर शहर में 75 बेड का बुजुर्गों के लिए पुनर्वास गृह, 4 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से फलासियां में राजकीय कन्या महाविद्यालय भवन, 2 करोड़ 80 लाख रुपये से कानोड़ में राजकीय सावित्री बाई फूले अनुसूचित जाति कन्या छात्रावास, 2 करोड़ 31 लाख रुपये से अधिक की लागत से सविना में आर.सी.सी. नाले का निर्माण, करीब डेढ़ करोड़ से वल्लभनगर के दरौली में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जैसे कार्य जनता को समर्पित किए हैं।

उन्होंने कहा कि 1 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से तितरड़ी के नए बस स्टैंड हेतु सड़क निर्माण, 2 करोड़ 31 लाख रुपये से भुवाणा, वल्लभनगर एवं मावली में ब्लॉक पब्लिक हेल्थ यूनिट के भवन, करीब डेढ़ करोड़ रुपये से महाराणा प्रताप खेलगांव में लेक्रोस खेल मैदान, बोहरा गणेश जी आयड़ में ओपन पार्किंग और अमरख जी महादेव मंदिर मार्ग का लोकार्पण भी किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उदयपुर के बुनियादी ढांचे और विकास के लिए 373 करोड़ रुपये से अधिक की 436 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया है। इसमें 121 करोड़ रुपये की लागत से महाराणा भूपाल चिकित्सालय में मातृ एवं शिशु विंग, 75 करोड़ रुपये से अधिक की राशि से भुवाणा क्षेत्र में आधुनिक सीवरेज सिस्टम, करीब 51 करोड़ रुपये से जिला चिकित्सालय भींडर का भवन निर्माण, 5 करोड़ 75 लाख रुपये से फतहनगर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का शिलान्यास शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि साढ़े चार करोड़ रुपये से गोगुंदा में राजकीय जनजाति बालक आश्रम छात्रावास भवन, साढ़े चार करोड़ रुपये से पुलिस लाईन उदयपुर में अधिकारियों के लिए 12 आवासीय भवन, 3 करोड़ 80 लाख रुपये से झाडोल के ढीमड़ी क्षेत्र में राजकीय जनजाति बालक आश्रम छात्रावास, करीब 3 करोड़ 67 लाख रुपये की लागत से सुखेर में सर्विस रोड, 6 करोड़ रुपये से अधिक की राशि से बनास नदी पर गोगुंदा के पानेर और केलथरा मार्ग पर सबमर्शिबल पुलिया का शिलान्यास भी किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि साढ़े पांच करोड़ रुपये से खेलगांव उदयपुर में जनजाति बालिका आश्रम छात्रावास और डबोक में बालक आश्रम छात्रावास, 2 करोड़ 70 लाख रुपये की लागत से गोगुंदा के बोमरचा में बनास नदी पर सबमर्शिबल पुलिया निर्माण, खेरोदा, झाड़ोल व सायरा में 2-2 करोड़ के अटल प्रगति पथ के निर्माण की नींव रखी गई है। साथ ही, जिले में विभिन्न स्कूलों में शेड, डोम एवं सोलर पनघट और बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, चिकित्सा, सिंचाई, शहरी एवं पर्यटन सुविधाओं के विकास से जुड़े विभिन्न कार्यों की आधारशिला रखी है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 34 हजार 128 करोड़ रुपये से 49 हजार 197 किलोमीटर सड़क नेटवर्क विकसित किया है। प्रदेश में 2 हजार 750 किलोमीटर लंबे 9 ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे की दिशा में कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। 18 हजार 67 किलोमीटर नई सड़कें बनाई गईं तथा 1 हजार 758 गांवों को पहली बार डामर सड़क से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 10 हजार किलोमीटर मिसिंग लिंक सड़कें बनाई गईं हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 3 हजार 286 किमी सड़कों का विकास किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार कृषि, सहकारिता, डेयरी क्षेत्र से जुड़े लोगों के कल्याण के लिए मजबूत फैसले ले रही है। मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-शहरी वार्ड अभियान का आयोजन कर गांवों और शहरी वार्डों के विकास के लिए रोडमैप बनाया जा रहा है। कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना को प्रोत्साहन दे रहे हैं। इससे स्थानीय स्तर पर युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरस डेयरी के दूध संकलन की क्षमता में भी वृद्धि की जा रही है। सहकारिता से समृद्धि के लिए गांवों में नए सदस्यों को पैक्स से जोड़ा गया है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में गरीब, युवा, महिला और अन्नदाता के सशक्तीकरण के लिए योजनाएं चलाई जा रही हैं।

पोकरण में वायुसेना का 'रोटर क्लैप-तृतीय' अभ्यास संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। भारतीय वायुसेना ने राजस्थान के पोकरण 'फील्ड फायरिंग रेंज' में एक सप्ताह तक चले सैन्य अभ्यास 'रोटर क्लैप-तृतीय' का सफलतापूर्वक समापन किया और इस दौरान वायुसेना की अभियानगत तैयारियों और ड्रोन रोधी क्षमताओं का व्यापक परीक्षण और प्रदर्शन किया गया।

अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। राजस्थान में रक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार, यह अभ्यास मानवरहित हवाई प्रणालियों के प्रतिरोध विषय पर केंद्रित था, जिसमें भारतीय वायुसेना की कई हेलीकॉप्टर इकाइयों ने हिस्सा लिया।

सूत्रों ने बताया कि अभ्यास का मुख्य उद्देश्य उभरते हवाई खतरों के विरुद्ध अभियानगत तैयारियों का परीक्षण करना तथा बदलते युद्धक्षेत्र की चुनौतियों के अनुरूप वायुसेना की युद्धक तैयारियों को और सुदृढ़ बनाना था। उन्होंने कहा कि अभ्यास का प्रमुख केंद्र मानवरहित हवाई प्रणालियों (यूएएस) से बढ़ते खतरे का प्रभावी मुकाबला करने के लिए वायुसेना के हेलीकॉप्टर बेड़े की अभियानगत क्षमता को सशक्त बनाना था। इसके साथ ही वास्तविक युद्ध जैसी परिस्थितियों में एकीकृत हेलीकॉप्टर अभियानों के लिए रणनीतियों, कार्यप्रणालियों और मानक प्रक्रियाओं का भी परीक्षण किया गया।

अभ्यास में वायुसेना के लगभग सभी प्रमुख हेलीकॉप्टर मंचों (प्लेटफॉर्म) ने भाग लिया और विभिन्न सामरिक अभियानों के माध्यम से अपनी युद्धक क्षमता का प्रदर्शन किया। सूत्रों के अनुसार इनमें सटीक लक्ष्यभेदन, युद्धक्षेत्र सहायता, सैनिकों की तैनाती, घायलों की सुरक्षित निकासी तथा हवाई और जमीनी दोनों प्रकार के खतरों से निपटने के लिए समन्वित अभियान शामिल थे।

एक सप्ताह तक चले इस अभ्यास ने वायुसेना के चालक दल और परिचालन इकाइयों को युद्ध जैसी परिस्थितियों में मिशन की योजना, विभिन्न इकाइयों के बीच समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया और संयुक्त अभियान संचालन की क्षमता का परीक्षण एवं सत्यापन करने का अवसर प्रदान किया। रक्षा सूत्रों ने बताया कि चुनौतीपूर्ण रेगिस्तानी भूभाग में विभिन्न हेलीकॉप्टर मंचों के बीच निर्बाध समन्वय सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

उन्होंने कहा कि देश के प्रमुख सैन्य प्रशिक्षण क्षेत्रों में शामिल पोकरण 'फील्ड फायरिंग रेंज' ने आधुनिक युद्धक्षेत्र की चुनौतियों, विशेषकर ड्रोन और अन्य मानवरहित प्रणालियों से उत्पन्न खतरों के बीच हेलीकॉप्टर अभियानों की प्रभावशीलता का आकलन करने तथा वास्तविक परिस्थितियों पर आधारित परिचालन अभ्यास संचालित करने के लिए उपयुक्त वातावरण उपलब्ध कराया।

पेयजल परियोजनाओं से श्रीडूंगरगढ़ के विकास को मिलेगी नई गति : मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ को विकास की नई सौगात देते हुए केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को करीब 163 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं से श्रीडूंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में सड़क, विद्युत, स्वास्थ्य तथा पेयजल से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे। कार्यक्रम के दौरान श्रीडूंगरगढ़बिदासर राज्य राजमार्ग (एसएच-93) पर रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर नए ग्रिड सब स्टेशन (जीएसएस), पावर ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता वृद्धि सहित विद्युत संबंधी परियोजनाओं तथा अन्य जनहित के विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया।

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की दिशा में सोनियासर शिवदान, डेलवा, धोलिया एवं लाधड़िया में नव स्थापित स्वास्थ्य केंद्रों का लोकार्पण किया गया। वहीं डेलवा में नए ट्यूबवेल का लोकार्पण भी हुआ, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों को पेयजल उपलब्धता में राहत मिलेगी। ग्रामीण संपर्क व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से उपनी, बेनीसर, डेलवा, गुसाईसर बड़ा एवं पुनरासर सहित विभिन्न सड़कों के निर्माण एवं नवीनीकरण कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया। साथ ही पुनरासर राजपुरा से रुणासांवतसर राजेडू दोहरी लेन सड़क निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया गया, जिसे क्षेत्र की महत्वपूर्ण आधारभूत परियोजनाओं में शामिल माना जा रहा है।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। सड़क, बिजली, स्वास्थ्य और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है, जिससे ग्रामीण विकास को नई गति मिलेगी।

विधायक ताराचंद सारस्वत ने कहा कि श्रीडूंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से क्षेत्र की आधारभूत संरचना मजबूत होगी, आवागमन सुगम बनेगा तथा आमजन के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। इस अवसर पर राजस्थान राज्य कौशल विकास बोर्ड के चेयरमैन रामगोपाल सूथार, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

आठ वर्षीय छात्र का सिर बिजली के खंभे से टकराया, मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सीकर जिले में शनिवार को आठ साल के एक बच्चे का सिर बिजली के खंभे से टकरा गया, जिससे उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, बच्चा स्कूल बस में सवार था और चालक जब वाहन को पीछे कर रहा था, तभी उसने खिड़की से सिर बाहर निकाल लिया और उसका सर बिजली के खंभे से जा टकराया।

पुलिस ने बताया कि गंभीर रूप से घायल छात्र बस के भीतर ही सीट पर गिर पड़ा और घटना के बाद घबराया चालक बच्चे को उसके पिता की दुकान के बाहर छोड़कर फरार हो गया। नीमकाथाना क्षेत्र के खादरा गांव निवासी ओमप्रकाश सैनी ने बताया कि उनका बेटा हितेश सैनी 'न्यू सेंट्रल एकेडमी' में चौथी कक्षा का छात्र था।

उन्होंने बताया कि शनिवार सुबह वह अपने दोनों भाइयों रुपेश (11) और महंत (छह) के साथ स्कूल बस से स्कूल गया था। ओमप्रकाश के अनुसार, स्कूल की छुट्टी होने के बाद चालक उनके बेटे को गोद में लहूलुहान हालत में उनकी दुकान के बाहर छोड़कर मौके से भाग गया।

उन्होंने बताया कि बेटे को खून से लथपथ देखकर परिजन तुरंत उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी जय सिंह बसेरा ने बताया कि मामला दर्ज कर फरार बस चालक की तलाश शुरू कर दी गयी है।

कई स्थानों पर बारिश, सलूंबर में सबसे अधिक 67 मिलीमीटर वर्षा दर्ज

जयपुर। राजस्थान के पूर्वी हिस्सों में पिछले 24 घंटों के दौरान कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हुई, जबकि कुछ इलाकों में भारी बारिश दर्ज की गई। वहीं, पश्चिमी राजस्थान के कुछ क्षेत्रों में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम वर्षा हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को यह जानकारी दी। आईएमडी के जयपुर केंद्र के अनुसार रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक बीते 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक 67.0 मिलीमीटर वर्षा सलूंबर में दर्ज की गई। इस अवधि में फलोदी का अधिकतम तापमान राज्य में सबसे अधिक 39.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सिरोही में न्यूनतम तापमान 20.2 डिग्री सेल्सियस रहा जो राज्य में सबसे कम था। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के विभिन्न हिस्सों में मानसूनी गतिविधियां फिलहाल सक्रिय रहेंगी। विभाग ने संकेत दिया है कि आगामी दिनों में भी कई क्षेत्रों में वर्षा के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी रहेंगी।

नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान का जोधपुर में जिला स्तरीय कार्यक्रम रविवार को संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। इस अभियान के शुभारंभ के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअली युवाशक्ति को संबोधित किया। कार्यक्रम में राजस्थान जीव जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह बिश्नोई, जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली, पूर्व राज्यसभा सांसद पद्म भूषण डॉ नारायण सिंह माणकलाव, पूर्व राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में युवाओं को नशा मुक्त भारत की शपथ दिलाई गई।

विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा संकल्प अभियान को 100 सप्ताह के सतत जन भागीदारी आंदोलन के रूप में परिकल्पित किया गया है। अगले 100 सप्ताहों तक प्रत्येक रविवार को स्वस्थ जीवन शैली को प्रोत्साहित करने, सामुदायिक भागीदारी को मजबूत करने और युवाओं को राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरित करने के लिए देश भर में विभिन गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

साप्ताहिक गतिविधियों में खेल प्रतियोगिताएं, पैदल मार्च, ध्यान सत्र, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कला और रचनात्मक प्रतियोगिताएं, नुक्कड़ नाटक (स्ट्रीट प्ले), जागरूकता अभियान और अन्य सामुदायिक सहभागिता पहल शामिल होंगी। इनका उद्देश्य सकारात्मक सामाजिक मूल्यों को बढ़ावा देते हुए मादक पदार्थों के सेवन के हानिकारक प्रभावों को लेकर संवेदनशील बनाना है। युवाओं की निरंतर भागीदारी को प्रोत्साहित करने और अनुकरणीय प्रयासों को मान्यता देने के लिए, अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले स्वयंसेवकों और संगठनों को 50वें, 75वें और 100वें सप्ताह के पड़ावों पर सम्मानित किया जाएगा, जिससे सार्वजनिक सेवा और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को बल मिलेगा।

इस वर्ष लगाए जाएंगे 10 करोड़ पौधे : पटेल

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में रविवार को जोधपुर जिले में मानसरोवर कॉलोनी पाल में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। पटेल ने कहा कि वन मानव जीवन का आधार हैं और पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक का साझा दायित्व है। यदि हमें आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य देना है तो वृक्षारोपण और वन संरक्षण को जन आंदोलन बनाना होगा। उन्होंने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुरू किए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से आमजन की पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ी है। यह अभियान पर्यावरण के प्रति दायित्व निभाने के साथ-साथ माताओं के प्रति श्रद्धा और समर्पण की भावना का भी प्रतीक है।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार की इन पहलों

से प्रेरणा लेकर हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा 'मिशन हरियालो राजस्थान' प्रारंभ किया गया है। यह अभियान प्रदेश को हरित और समृद्ध बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि मिशन के तहत पांच वर्षों में 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें से लगभग दो वर्षों में करीब 20 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं। इस मानसून सीजन में भी 10 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है।

पटेल ने कहा कि जब हम एक पौधा लगाते हैं, तब हम केवल एक वृक्ष नहीं लगाते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की सांसों, पर्यावरण और भविष्य को सुरक्षित करते हैं। उन्होंने आमजन से इस मानसून सीजन में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं मिशन हरियालो राजस्थान की दिशा में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में रावतराम बिंजारिया, जगदीश देवासी, श्रवण पटेल, कर्नल वीजी गोस्वामी, आरपी शर्मा, कुशाल सिंह राजपुरोहित, किशनसिंह चौहान, बाबूलाल देवासी, पुखराज सुथार सहित जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने कहा नशामुक्त राजस्थान के लिए जन सहभागिता बढ़ाएं

जयपुर,। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने रविवार को विकसित भारत संकल्प अभियान के तहत नशा मुक्त युवा की शपथ दिलाई। स्थानीय सुबोध कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक करोड़ युवाओं के लिए इस सम्बन्ध में संदेश का भी लाइव प्रसारण हुआ।राज्यपाल बागडे ने इस दौरान कहा कि नशा जीवन का नाश करता है, इस की मुक्ति के लिए सभी स्तरों पर प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने युवाओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाते हुए मादक पदार्थों से दूर रहने, इनकी बिक्री और आपूर्ति करने वालों को पकड़वाने में सहयोग का भी आह्वान किया।राज्यपाल ने ड्रोन द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों से नशीले पदार्थ भेजे जाने को रोकने के लिए भी कड़ी कार्यवाही करने और इसमें जन सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया। राज्यपाल ने नशामुक्त राजस्थान के लिए माह का निर्धारण कर अभियान चलाने का भी आह्वान किया। इससे पहले सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने नशामुक्त अभियान के लिए प्रतिबद्ध होकर सभी के सहयोग से इसे सफल किए जाने का आह्वान किया।

विधानमंडल सत्र में जनहित से जुड़े हर मुद्दे को सदन में रखें जनप्रतिनिधि : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार से शुरू हो रहे विधानमंडल के मानसून सत्र के मद्देनजर सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधानसभा तथा विधान परिषद सदस्यों से जनहित से जुड़े सभी मुद्दों को सदन में उठाने और स्वस्थ चर्चा के माध्यम से प्रदेश के विकास को गति देने में सहयोग करने की अपील की है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से विपक्षी दलों से सदन की कार्यवाही के सुचारु संचालन में सहयोग करने का आग्रह किया। योगी आदित्यनाथ रविवार को विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में विधान भवन में आयोजित सर्वदलीय बैठक को संबोधित कर रहे थे। यह बैठक सोमवार से शुरू हो रहे विधानमंडल के मानसून सत्र के सुचारु संचालन के संबंध में बुलाई गई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में संवाद का विशेष महत्व है और विधानमंडल जनप्रतिनिधियों को संवाद का प्रभावी मंच उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि सदन में होने वाली सार्थक चर्चा से जनहितकारी परिणाम सामने आते

हैं। आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश विधानसभा ने संसदीय कार्यप्रणाली का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिसकी देशभर में सराहना हुई है। इससे लोकतांत्रिक परंपराएं मजबूत हुई हैं और सदन स्वस्थ एवं रचनात्मक चर्चा के लिए जाना जाता है। उन्होंने इसका श्रेय सभी राजनीतिक दलों के नेताओं और सदस्यों को दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसून सत्र में आमजन से जुड़े मुद्दों पर गंभीर और सकारात्मक चर्चा होनी चाहिए। इससे प्रदेश के विकास को गति मिलेगी और जनता की समस्याओं के समाधान का मार्ग प्रशस्त होगा।

उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि वे जनता से जुड़े प्रत्येक महत्वपूर्ण मुद्दे को गंभीरता से सदन में उठाएं। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने भी सभी दलों के सदस्यों से सदन के सुचारु संचालन में सहयोग की अपील की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, बैठक में विधान परिषद में नेता सदन एवं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय, निषाद पार्टी के अध्यक्ष एवं मत्स्य मंत्री डॉ. संजय निषाद, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष एवं पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा, जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) के रघुराज प्रताप सिंह 'राजा भैया', निषाद पार्टी विधानमंडल दल के नेता रमेश सिंह, अपना दल (एस) के आर.के. पटेल व राष्ट्रीय लोकदल के राजपाल बालियान सहित विभिन्न दलों के नेता उपस्थित थे।

शुद्ध एवं सकारात्मक भाव आत्मोन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हैं : मुनिश्री वीरसागर

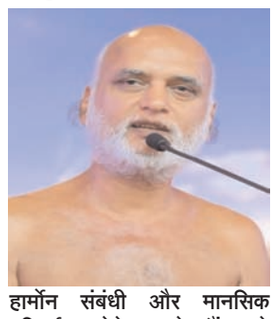

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के ज्ञानोदय परिसर तुबरहल्ली में विराजितमुनिश्री वीरसागरजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए 'साइकोलॉजी ऑफ ट्रॉसफारमेशन' विषयक प्रवचन श्रृंखला में रविवार को कहा कि प्रत्येक जीव सुख, शांति और समृद्धि की कामना करता है, फिर भी जीवन में दुःख, असफलता और संघर्ष क्यों बने रहते हैं? उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल इच्छा करना पर्याप्त नहीं है। जब मन के भीतर संदेह, भय और विरोधाभासी विचार बने रहते हैं, तब इच्छित परिणाम प्राप्त नहीं हो पाते। मुनिश्री ने आधुनिक विज्ञान और जैन दर्शन के बीच अद्भुत सामंजस्य प्रस्तुत करते हुए बताया कि हमारा मस्तिष्क कल्पना और वास्तविकता के बीच बहुत कम अंतर करता है। उन्होंने विभिन्न वैज्ञानिक प्रयोगों का उल्लेख करते हुए समझाया कि भय, चिंता या सफलता की सजीव कल्पना करने पर शरीर में वही रासायनिक, हार्मोन संबंधी और मानसिक परिवर्तन होने लगते हैं, जो वास्तविक परिस्थितियों में होते हैं। इस प्रकार हमारे विचार ही हमारे व्यक्तित्व और जीवन की दिशा निर्धारित करने लगते हैं। कर्मों का बंध केवल बाहरी कार्यों से नहीं, बल्कि मन के भीतर चलने वाले भावों और संकल्पों से भी होता है। उन्होंने कहा कि निरंतर नकारात्मक चिंतन और दूषित भाव भविष्य के कर्मबंधन का कारण बनते हैं, जबकि शुद्ध एवं सकारात्मक भाव आत्मोन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ और रणधीर सिंह बसपा से निष्कासित

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने रविवार को राज्यसभा के पूर्व सदस्य अशोक सिद्धार्थ और पार्टी समन्वयक रणधीर सिंह बेनीवाल को बार-बार अनुशासनहीनता करने और संगठनात्मक निर्देशों का उल्लंघन करने के आरोप पर पार्टी से निष्कासित कर दिया। मायावती ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सिद्धार्थको पहले भी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान अनुशासनहीनता, खासकर टिकट बंटवारे में पार्टी की राज्य इकाई के साथ तालमेल नहीं करने पर पार्टी से निकाला गया था।

बाद में नेतृत्व को यह भरोसा दिलाने पर कि ऐसी गलतियां दोबारा नहीं होंगी, सिद्धार्थ को पार्टी में वापस ले लिया गया था। बसपा प्रमुख ने कहा कि इसके बाद सिद्धार्थ को पार्टी के संगठनात्मक आधार को मजबूत करने के लिए उत्तर प्रदेश के बाहर के राज्यों में जिम्मेदारियां सौंपी गयीं।

राम मंदिर पर 'नाटक' से हिंदुओं की भावनाएं आहत हुईं, पप्पू यादव और राहुल गांधी माफी मांगें : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने रविवार को आरोप लगाया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में संसद परिसर में 'नाटक' करके हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाई और उन्हें इसके लिये माफी मांगनी चाहिए। यादव ने हालांकि कहा कि वह सनातन की रक्षा के लिए विरोध कर रहे हैं और कितनी भी प्राथमिकी दर्ज हो जाएं, लेकिन वह नहीं झुकेंगे।

भाजपा नेताओं ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की तरफ ध्यान खींचने के लिये संसद परिसर में नाटक' करने को लेकर पप्पू यादव, राहुल गांधी और अयोध्या से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद अवधेश प्रसाद के खिलाफ शनिवार को वाराणसी में शिकायत दर्ज करवायी जबकि राष्ट्रीय राजधानी में पुलिस को तहरीर दी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने भी गांधी और यादव पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि दोनों नेताओं ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन के जरिए सनातन धर्म का अपमान किया। भगवा कपड़े पहने पप्पू यादव ने शुक्रवार को संसद परिसर में मकर द्वार के सामने विपक्ष के दूसरे सांसदों के साथ यह 'नाटक' किया। गांधी समेत अन्य सांसदों ने दान पेटी में पैसे डाले, जबकि राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी को दिखाने के लिए अपनी जेब में पैसे डाले। यादव बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय सांसद हैं।

दुर्गा पूजा समितियों में नेतृत्व परिवर्तन के बीच कोलकाता में त्योहार की तैयारियां तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के सबसे बड़े त्योहार दुर्गा पूजा में अभी ढाई महीने बाकी हैं, लेकिन कोलकाता में तैयारियां तेज हो गई हैं। इस बीच, पूजा समितियों के नेतृत्व में बदलाव हुआ है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं ने तृणमूल कांग्रेस जुड़े नेताओं की जगह कमान संभाल ली है। राज्य में सत्ता बदलने के बाद यह पहली दुर्गा पूजा होगी। इस साल अप्रैल में विधानसभा चुनाव में भाजपा तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन को समाप्त कर सत्तारूढ़ हुई है। इस साल दुर्गा पूजा उत्सव 16 से 21 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा।

तृणमूल कांग्रेस के पुराने शासनकाल से लंबे समय से जुड़ी कई जानी-मानी पूजा समितियों ने सरकार बदलने के बाद या तो अपने-अपने

संगठनों का पुनर्गठन किया है या नए पदाधिकारी नियुक्त किए हैं। इनमें सबसे प्रमुख श्रीभूमि स्पोर्टिंग क्लब और सुरुचि संघ हैं। सुरुचि संघ के पुराने पदाधिकारियों के हटने के बाद भाजपा विधायक सौरव सिकदर ने वहां संगठन से जुड़ी अहम भूमिका संभाली है, जबकि स्वास्थ्य मंत्री शरद्वत मुखर्जी श्रीभूमि स्पोर्टिंग क्लब की पूजा समिति से जुड़े हैं। श्रीभूमि पूजा का 2025 तक राज्य के पूर्व मंत्री सुजीत बोस से संबंध था जबकि सुरुचि संघ में दूसरे पूर्व मंत्री अरूप बिस्वास की अहम भूमिका थी।

हालांकि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा है कि वह किसी भी दुर्गा पूजा समिति की अध्यक्षता नहीं करेंगे। उनका कहना है कि त्योहार लोगों की अपनी पहल होनी चाहिए, न कि राजनीतिक प्रभाव जमाने का जरिया। फिर भी, वह कॉलेज स्क्वायर दुर्गा पूजा की 'खूंटी पूजा' में शामिल हुए। मोहम्मद अली पार्क में 'खूंटी पूजा' के दौरान राज्य मंत्री और भाजपा नेता तपस रॉय विशेष अतिथियों की सूची में शामिल थे। 'खूंटी पूजा' या दुर्गा पूजा की नींव रखने की रस्म आमतौर पर रथ यात्रा के पहले दिन की जाती है, जब भगवान जगन्नाथ अपने बड़े भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा के साथ जगन्नाथ मंदिर से गुंडिचा मंदिर तक अपनी यात्रा शुरू करते हैं।

दक्षिण कोलकाता के पटुली में, भाजपा विधायक सरबरी मुखर्जी को गिरफ्तार पूर्व तृणमूलपार्षद बप्पादित्य दासगुप्ता की जगह केंदुआ शांति संघ का मुख्य संरक्षक नामित किया गया है। इसी तरह, बारानगर लोलैंड सर्बजनिन ने पूर्व तृणमूल कांग्रेस नेता प्रदीप नारायण बोस के स्थान पर भाजपा विधायक सजल घोष को नामित किया है।

पीएनबी का अपनी अनुषंगी कंपनियों के मौद्रीकरण का तत्काल कोई इरादा नहीं : प्रबंध निदेशक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का अपनी अनुषंगी कंपनियों के मौद्रीकरण का तत्काल कोई इरादा नहीं है। पीएनबी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अशोक चंद्रा ने कहा है कि 18 प्रतिशत के पूंजी पर्याप्तता अनुपात के साथ बैंक इन कंपनियों की कार्यक्षमता और कारोबार को मजबूत कर उनका मूल्य बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

पीएनबी का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 30 जून, 2026 तक बढ़कर 18.13 प्रतिशत हो गया है, जो नियामकीय जरूरत 11.5 प्रतिशत से काफी अधिक है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 17.5 प्रतिशत था। चंद्रा ने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा कि पूंजी की मजबूत स्थिति को देखते हुए बैंक की बाजार से अतिरिक्त धन जुटाने की तत्काल कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में बैंक करीब 5,000 करोड़ रुपये के एटी-1 और टियर-2 बॉन्ड का भुगतान करेगा। इससे ब्याज खर्च में लगभग 300 करोड़ रुपये की बचत होने की उम्मीद है। अनुषंगी और सहायक कंपनियों को बाजार में चढ़ाने (मौद्रीकरण) के बारे में चंद्रा ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है। बैंक इन कंपनियों को और मजबूत कर भविष्य में अधिकतम मूल्य हासिल करने की दिशा में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस और पीएनबी गिल्ट्स जैसी सभी प्रमुख अनुषंगी कंपनियों की पूंजी की स्थिति अच्छी है। बैंक द्वारा प्रायोजित आठ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी) भी मजबूत स्थिति में हैं और उन्हें फिलहाल अतिरिक्त पूंजी की आवश्यकता नहीं है। पंजाब नेशनल बैंक... असम ग्रामीण बैंक, बिहार ग्रामीण बैंक, हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक, पंजाब ग्रामीण बैंक, हरियाणा ग्रामीण बैंक, मणिपुर ग्रामीण बैंक, त्रिपुरा ग्रामीण बैंक और पश्चिम बंगाल ग्रामीण बैंक का प्रायोजक बैंक है। पीएनबी प्रमुख ने भरोसा जताया कि चालू वित्त वर्ष में बैंक का शुद्ध लाभ 20,000 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर सकता है। पिछले वित्त वर्ष में बैंक ने 16,904 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। उन्होंने कहा कि पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही से बैंक लगातार हर तिमाही 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का मुनाफा दर्ज कर रहा है और आगे भी इस गति को बनाए रखने की उम्मीद है। विकास को गति देने के लिए बैंक खुदरा, कृषि, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) और स्वयं सहायता समूहों को ऋण विस्तार के प्रमुख क्षेत्रों के रूप में देख रहा है। चालू वित्त वर्ष में बैंक का लक्ष्य ऋण वृद्धि को 12-13 प्रतिशत और जमा वृद्धि को 9-10 प्रतिशत बनाए रखना है।

चॉकलेट पैकेट में छुपा कर लाया गया 2.7 किग्रा 'हाइड्रोपोनिक गांजा' बरामद, एक गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने थाईलैंड के फुकेट से आए एक यात्री को गिरफ्तार किया है। उसके पास से चॉकलेट के पैकेट्स में छिपाकर लाया गया 2.7 किलोग्राम संदिग्ध 'हाइड्रोपोनिक गांजा' बरामद हुआ है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। 'हाइड्रोपोनिक गांजा' एक उच्च गुणवत्ता और अधिक असरदार किस्म का गांजा होता है जिसे मिट्टी के बजाय पोषक तत्वों से भरपूर पानी में उगाया जाता है। अधिकारियों के अनुसार, दो अगस्त को फुकेट से पहुंचे इस यात्री को उस समय रोका गया जब वह सीमा शुल्क विभाग का ग्रीन चैनल पार कर चुका था। बयान में कहा गया है कि जब उसके सामान की एक्स-रे जांच की गई तो अधिकारियों को कुछ संदिग्ध आकृतियां नज़र आईं। इसके बाद बैग की गहन तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान चार पैकेट बरामद हुए जिनमें हरे रंग का संदिग्ध पदार्थ भरा था। जांच में इसके 'हाइड्रोपोनिक गांजा' होने का संदेह जताया गया। अधिकारियों ने बताया कि चॉकलेट के पैकेटों के भीतर छुपाकर रखे गए इन पैकेटों का कुल वजन (पैकिंग सामग्री सहित) 2,759 ग्राम था। बयान के मुताबिक, यात्री को 'स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985' की धारा 43(बी) के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं संदिग्ध गांजे और पैकिंग सामग्री को अधिनियम की धारा 43(ए) के तहत जब्त कर लिया है।

इंडिगो की 20वीं वर्षगांठ पर 'लंबी उड़ान' की तैयारी, अंतरराष्ट्रीय विस्तार पर कर रही है काम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। इंडिगो एयरलाइन अपने परिचालन के 20 वर्ष पूरे होने पर अब एक लंबी दूरी की उड़ान' शुरू करने की तैयारी कर रही है और बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय विस्तार की योजना बना रही है।

इसके तहत एयरलाइन दुनिया भर में बसे प्रवासी भारतीयों को उनके देश से जोड़ने, खाड़ी देशों के केंद्र से होकर जाने वाले अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात को वापस अपनी उड़ानों में लाने और भविष्य में भारत के रास्ते विदेशों के बीच यात्रियों को ले जाने का लक्ष्य रखेगी। घरेलू बाजार में 66 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रखने वाली देश की यह प्रमुख एयरलाइन कंपनी जल्द ही एयरबस ए321 एक्सएलआर विमान अपने बेड़े में शामिल करने जा रही है और 2028 से ए350 बड़े आकार के विमानों की आपूर्ति शुरू होने की उम्मीद है। इंडिगो के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा कि व्यापक घरेलू नेटवर्क के दम पर कंपनी अब लंबी दूरी की उड़ानों' की दिशा में बड़ा कदम उठाने को तैयार है और ए321 एक्सएलआर तथा बाद में ए350 विमानों के जरिये अधिक अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों को जोड़ा जाएगा। हालांकि, भाटिया ने कहा कि चार अगस्त को कंपनी की 20वीं वर्षगांठ है, लेकिन अब भी इंडिगो को वैश्विक एयरलाइन कहना जल्दबाजी होगी। प्रबंध निदेशक के साथ ही कंपनी के सह-संस्थापक भाटिया ने कहा, क्या हम वहां पहुंचना चाहते हैं? हां, हमारी आकांक्षा है, लेकिन कंपनी का मूल अब भी घरेलू नेटवर्क ही है। बड़े विमानों के साथ कुछ प्रयोग हो रहे हैं, लेकिन हमें वैश्विक कहना अभी कल्पना को बढ़ाना होगा। भाटिया ने कहा कि लंबी दूरी की रणनीति का मुख्य केंद्र भारतीय यात्रियों और वैश्विक भारतीय प्रवासी समुदाय को सेवा देना होगा।

उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में खाड़ी देशों की एयरलाइन ने अपने केंद्र के जरिये भारत से जाने वाले अंतरराष्ट्रीय यातायात का बड़ा हिस्सा अपने कब्जे में ले लिया, जिससे आर्थिक मूल्य विदेश चला गया।

भाटिया ने कहा, इंडिगो और एयर इंडिया जैसी एयरलाइन कंपनियों की जिम्मेदारी है कि इस आर्थिक मूल्य को वापस लाया जाए और भारतीय यात्रियों को दुनिया तक भारतीय एयरलाइंस के जरिये पहुंचाया जाए।

मजदूरों के हत्यारों के नाम सार्वजनिक किये जाएं : फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने रविवार को मांग की कि कुलगाम में दो प्रवासी मजदूरों और अनंतनाग में एक पुलिसकर्मी की हत्या करने वाले हमलावरों की पहचान सार्वजनिक की जाए। इसके साथ ही उन्होंने प्रशासन से सवाल किया कि आखिर ये आतंकवादी कहां से आ रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के बिजबेहड़ा क्षेत्र में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अब्दुल्ला ने कहा, उन्हें (प्रशासन को) लोगों को बताना चाहिए कि इन हत्याओं को कौन अंजाम दे रहा है। हमसे सिर्फ इतना कहा जाता है कि आतंकवादियों ने उन्हें मारा है। सवाल यह है कि जब सभी सीमाएं सील हैं, तो ये आतंकवादी कहां से आ रहे हैं?

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उपराज्यपाल के इस दावे को परखने के लिए हत्यारों का बेनकाब होना बेहद जरूरी है कि घाटी से आतंकवाद खत्म हो चुका है।

वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद की स्थिति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, हमें और पूरी दुनिया को देखने दीजिए कि ये हत्यारे कौन हैं। क्या आतंकवाद खत्म हो गया है? आप खुद देख सकते हैं कि स्थिति में कितना बदलाव आया है।

राष्ट्रमंडल खेल पदक विजेता खिलाड़ियों का स्वदेश लौटने पर भव्य स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्टार भारोत्तोलक सेखोम मीराबाई चानू और लवप्रीत सिंह सहित राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय खिलाड़ियों के पहले दल का रविवार को यहां स्वदेश लौटने पर इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सैकड़ों प्रशंसकों ने जोरदार स्वागत किया।

ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई ने महिलाओं के 49 किग्रा वर्ग में राष्ट्रमंडल खेलों का लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीता। मीराबाई ने हवाई अड्डे पर पीटीआई से कहा, ''मणिपुर से होने के नाते मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि मैं अपने देश के लिए कुछ अच्छा कर सकी।'' पुरुषों के 109 किग्रा से अधिक वर्ग में एक किग्रा के मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूककर रजत पदक जीतने वाले लवप्रीत सिंह ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य जापान में होने वाले एशियाई खेल हैं। पंजाब के 28 वर्षीय लवप्रीत ने कहा, ''मैं भारतीय नौसेना, अपने कप्तान विजय कुमार और यहां स्वागत के लिए आए सभी लोगों का धन्यवाद करना चाहता हूं।'' उन्होंने कुल 388 किग्रा वजन उठाया जिसमें 'स्नैच' में राष्ट्रमंडल खेलों का रिकॉर्ड 176 किग्रा वजन भी शामिल है।

लवप्रीत ने कहा, ''ऐसा हो जाता है (स्वर्ण से चूकना) लेकिन मैंने कड़ी मेहनत की और उसका परिणाम मिला। जब दो खिलाड़ी मुकाबला करते हैं तो एक को हारना पड़ता है। अब मैं एशियाई खेलों की अच्छी तैयारी करूंगा।'' भारतीय भारोत्तोलकों ने अपने अभियान का समापन एक स्वर्ण, छह रजत और एक कांस्य सहित कुल आठ पदक के साथ किया। महिलाओं के 58 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाली बिंदयारानी देवी सोरोखेबम ने कहा, ''जिस तरह सभी ने हमारा स्वागत किया है, उससे बहुत अच्छा लग रहा है। सभी का धन्यवाद, आपने घर जैसा अहसास कराया।'' उन्होंने कहा, आने वाली प्रतियोगिताओं के लिए मैं पहले से भी अधिक कड़ी मेहनत करूंगी।''

पुरुषों के 60 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने वाले ऋषिकांत सिंह ने कहा कि अगली बार वह स्वर्ण पदक जीतने का प्रयास

करेंगे। उन्होंने कहा, ''भारत के लिए पदक जीतकर अच्छा लग रहा है। मैं अपने प्रदर्शन के बारे में पहले ही बात कर चुका हूं, लेकिन अगली बार और मजबूत वापसी करूंगा तथा बेहतर प्रदर्शन करूंगा।'' इम्फाल में जन्मे भारतीय सेना के भारोत्तोलक ऋषिकांत ने अपने गृह राज्य मणिपुर में शांति की अपील करते हुए कहा कि इससे राज्य से और अधिक प्रतिभाशाली खिलाड़ी निकलेंगे। उन्होंने कहा, ''मेरे लिए नौसेना और मैतेई दोनों समान हैं। मैं केवल इतना कहना चाहता हूं कि मणिपुर में शांति होनी चाहिए ताकि वहां से मुझसे भी बेहतर खिलाड़ी निकल सकें।''

भारतीय भारोत्तोलन टीम के मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा ने कहा, ''यहां जिस तरह हमारा स्वागत किया गया, उससे हमें बहुत गर्व महसूस हो रहा है। सभी लोग बहुत खुश हैं। मैं अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बेहद खुश हूं।'' उन्होंने कहा, ''कुछ ऐसे क्षेत्र हैं जहां हम पीछे रह गए और हमें उन पर काम करने की जरूरत है ताकि अपने रजत पदक का रंग स्वर्ण में बदला जा सके। लेकिन खेलों में ऐसा होता है। कुल मिलाकर परिणाम अच्छे रहे हैं और हम खुश हैं।'' शर्मा ने मीराबाई चानू की लगातार तीसरी बार स्वर्ण पदक जीतने के लिए जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ''मीराबाई एक असाधारण खिलाड़ी हैं। अपने अनुशासन के कारण वह इस तरह के परिणाम हासिल कर पाती हैं। हम एशियाई खेलों की तैयारी कर रहे हैं और मुझे लगता है कि वहां भी हम पदक जीतेंगे।'' महिलाओं के 69 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने वाली हरजिंदर कौर ने कहा कि उनका लक्ष्य अगले राष्ट्रमंडल खेलों में अपने रजत पदक को स्वर्ण में बदलना है। उन्होंने कहा, मेरा लक्ष्य अहमदाबाद में होने वाले अगले राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक को स्वर्ण पदक में बदलना है।'' पुरुषों के 65 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतने वाले राजा मुथुपांडी ने कहा कि पोडियम पर जगह बनाना कई सर्जरी और लंबे संघर्ष के बाद वर्षों की मेहनत का परिणाम है। मुथुपांडी ने कहा, ''मैं 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में भी उतरा था लेकिन तब पदक नहीं जीत पाया। उस समय मुझे बहुत बुरा लगा था। इसके बाद मैंने इस पदक के लिए काफी मेहनत की।'' उन्होंने कहा, ''मैं स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश कर रहा था लेकिन उस दिन मेरा प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा। फिर भी मुझे खुशी है कि मैंने पहली बार भारत के लिए पदक जीता।''

सुविचार

सम्मान पाने का सबसे अच्छा तरीका, दूसरों का सम्मान करना है। मधुर वाणी बोलें, सद्भाव बनाए रखें, जीवन सुखमय बनेगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

इन बिगड़ैल बच्चों को सुधारें

जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता के लिए जिस तरह अभद्र शब्दों का प्रयोग किया, वह अत्यंत निंदनीय है। नागरिकों को सरकार की नीतियों से असहमत होने, उसके खिलाफ प्रदर्शन करने का पूरा अधिकार है, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि कोई व्यक्ति प्रधानमंत्री की माता के लिए अभद्र शब्द बोले। किसी के लिए भी ये शब्द नहीं बोलने चाहिएं। जब प्रधानमंत्री ने ऐसे वीडियो देखे तो उन्हें गहरा दु:ख हुआ। यह स्वाभाविक है। वहीं, उन्होंने जिस तरह इन बिगड़ैल बच्चों को क्षमा किया, वह उनकी उदारता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री के खिलाफ प्रदर्शन करना था तो खूब करते। उनकी स्वर्गवासी माता का नाम बीच में लाने की क्या जरूरत थी? उनका राजनीति से कोई संबंध नहीं था। उक्त घटनाक्रम को सामान्य मामला समझने की भूल न करें। इन लोगों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए और चौतरफा निंदा हुई तो ये कानूनी कार्रवाई के डर से अपनी गलती स्वीकार करने लगे। अगर कार्रवाई का डर न होता तो इन्हें कोई पछतावा नहीं होता। आज फिल्मों, ओटीटी मंच, सोशल मीडिया सामग्री में अभद्र शब्दों का प्रयोग धड़ल्ले से हो रहा है। देश में एक ऐसी पीढ़ी तैयार हो गई है, जो इन शब्दों को दोहराने में बड़प्पन महसूस करती है। जंतर-मंतर पर जो लड़की (प्रधानमंत्री की माता के लिए) गलत शब्द बोलकर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी, उसकी उम्र देखिए! उसके मुंह से इतने गंदे शब्द निकल रहे थे! उसे यह सब किसने सिखाया होगा? यह कुसंगति का नतीजा हो सकता है। इसके अलावा फिल्मों और ओटीटी मंच पर प्रसारित सामग्री ने उसकी सोच में यह विकृति पैदा की होगी।

कई परिवारों में छोटे बच्चों को ऐसे शब्द सिखा दिए जाते हैं। जब वे अपनी तुतलाती बोली में उनका उच्चारण करते हैं तो सब हंसते हैं। जब वे बड़े होकर अभद्रतापूर्वक उन्हें दोहराते हैं तो लोग शिकायत करते हैं कि हमारे बच्चे बिगड़ गए। बिहार के एक वरिष्ठ नेता, जो अब राजनीति में खास सक्रिय नहीं हैं, के बारे में कहा जाता था कि उनका पालतू तोता अभद्र शब्द बोलने में पारंगत हो गया था। उसने ये शब्द उन 'नेताजी' से ही सीखे थे, जो बातचीत में उनका धुआंधार प्रयोग करते थे। ऐसे लोग खुद को निडर और विशेष प्रतिभा का धनी मानते हैं। जो बच्चे जंतर-मंतर जाकर अपशब्दों की बौछार कर रहे थे, उनकी यही मानसिकता रही होगी। कुछ तो माहौल ऐसा था, कुछ सोशल मीडिया पर वायरल होने का शौक चढ़ा होगा। कई किशोरों और युवाओं ने 'बदनाम अगर होंगे तो क्या नाम नहीं होगा' को बहुत गंभीरता से ले लिया है। वे इसे तुरंत प्रसिद्धि पाने का नुस्खा समझते हैं। कई लोग इस पर अमल कर प्रसिद्ध हो चुके हैं। उन्हें बड़े-बड़े कार्यक्रमों में बुलाया जाता है। दर्शक उनसे आग्रह करते हैं कि एक बार फलां संवाद बोलें। आयोजक जानते हैं कि इस व्यक्ति की यही विशेषता है। वे गलत शब्द बोलने के लिए मोटी रकम देते हैं। हाल में स्टैंडअप कॉमेडी के नाम पर कितने अभद्र वीडियो सामने आए थे? ये लोग हास्य उत्पन्न करने के लिए अश्लीलता का सहारा लेते हैं, लेकिन समाज का भारी नुकसान करते हैं। जब ऐसे लोग जंतर-मंतर पहुंचते हैं तो भीड़ देखकर उद्दंड हो जाते हैं। उन्हें दो-चार कैमरे घेर लेते हैं तो खुद को महान सेलिब्रिटी समझने का भ्रम पाल लेते हैं। फिर ये विषवमन करने लगते हैं। इनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि गंदी मानसिकता रखने वाले अन्य लोगों को सबक मिले। इस बार नरेंद्र मोदी ने क्षमा कर दिया। भविष्य में किसी अन्य नेता के मामले में संभवत: कोई उदारता देखने को न मिले।

ट्वीटर टॉक

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पुरुषों के +90 बॉक्सिंग इवेंट में सिल्वर मेडल जीतने पर नरेंद्र बेरवाल को बधाई। आपकी शानदार कोशिश और लड़ने के जज़्बे ने देश को बहुत गर्व दिलाया है और भारत के बॉक्सिंग कैंपेन को यादगार बना दिया है।

-ओम बिरला

मैं अपने सभी किसान भाइयों से अपील करता हूं कि वे केमिकल खाद का ज़्यादा इस्तेमाल न करें और गाय के गोबर और हरी खाद का इस्तेमाल करके 'ऑर्गेनिक और नेचुरल खेती' अपनाएं। मिट्टी की उपजाऊ शक्ति और धरती मां की सेहत को बचाना हम सभी की ज़िम्मेदारी है।

-भजनलाल शर्मा

आज उदयपुर में राजस्थान कॉलेज ऑफ़ एग्रीकल्चर की तरफ़ से आयोजित 'नारी शक्ति रैली' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।झ्झ्इस मौके पर कालिका पेट्रोलिंग यूनिट, महिला कांस्टेबल साथ बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साह से हिस्सा लिया ।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

प्रार्थना की शक्ति

आयुर्वेद की कक्षा में एक विद्यार्थी ने अपने शिक्षक से प्रश्न किया 'गुरुदेव! क्या प्रार्थना वास्तव में काम करती है?' गुरुजी बोले, 'जब मनुष्य अपनी सीमाओं और असमर्थता का सच्चा अनुभव कर लेता है, तब उसके भीतर समर्पण का भाव जागृत होता है। उसी समर्पण का नाम प्रार्थना है। प्रार्थना का अर्थ अपने अहंकार का विसर्जन करना है। यह स्वीकार करना है कि जीवन में सब कुछ केवल हमारे प्रयासों से नहीं होता, एक उच्चतर शक्ति भी हमारा मार्गदर्शन कर रही है। प्रार्थना विनम्रता का संचार करती है। जब मन ईश्वर से जुड़ता है, तब दृष्टिकोण बदल जाता है। यदि समाधान तत्काल न भी मिले, तो वही समस्या पहले की अपेक्षा बहुत छोटी और कम कष्टदायक प्रतीत होने लगती है। प्रार्थना बाहरी परिस्थितियों से अधिक हमारे भीतर परिवर्तन लाती है। वह भय को विश्वास में, अशान्ति को शान्ति में और निराशा को आशा में परिवर्तित कर देती है। इस प्रकार प्रार्थना केवल शब्दों का उच्चारण नहीं, बल्कि आत्मा का ईश्वर से संवाद है। यही संवाद मनुष्य को कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य, शक्ति और सही दिशा प्रदान करता है।'

सामयिक

पीओके की पुकार और दुनिया की जिम्मेदारी

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की वर्तमान परिस्थितियाँ दुनिया के लिए एक चेतावनी हैं कि चुनाव केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की सबसे बड़ी परीक्षा होते हैं। यदि यह विश्वास टूट जाता है, तो असंतोष, अस्थिरता और संघर्ष की परिस्थितियाँ जन्म लेती हैं। आज आवश्यकता किसी राजनीतिक पक्ष का समर्थन करने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र, न्याय, पारदर्शिता और मानवाधिकारों की रक्षा करने की है।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में इन दिनों जो परिस्थितियां निर्मित हो रही हैं, वे केवल एक चुनावी प्रक्रिया की कहानी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और जनविश्वास के गहरे संकट की दास्तान हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की वास्तविक शक्ति निष्पक्ष चुनाव, नागरिक स्वतंत्रता और शासन की जवाबदेही में निहित होती है, लेकिन जब चुनाव भय, हिंसा, प्रशासनिक दबाव और धांधली के आरोपों से घिर जाएँ, तब लोकतंत्र का स्वरूप विकृत हो जाता है। आज पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति इसी कठोर वास्तविकता की ओर संकेत करती है। वहाँ के लोगों का आक्रोश केवल चुनावी अनियमितताओं तक सीमित नहीं है, बल्कि वर्षों से चली आ रही आर्थिक उपेक्षा, राजनीतिक भेदभाव और नागरिक अधिकारों की अनदेखी के विरुद्ध भी है। यही कारण है कि वहाँ का असंतोष अब स्थानीय मुद्दा न रहकर अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बनता जा रहा है। लोकतंत्र केवल मतपेटियों तक सीमित नहीं होता। लोकतंत्र का अर्थ है कि प्रत्येक नागरिक बिना किसी भय, दबाव या प्रलोभन के अपनी इच्छा व्यक्त कर सके और उसकी अभिव्यक्ति का सम्मान हो। यदि किसी क्षेत्र में चुनाव पहले से तय परिणामों का माध्यम बन जाएँ, यदि सत्ता का पूरा तंत्र एक दल विशेष के पक्ष में खड़ा दिखाई दे, यदि विरोध की आवाज को बलपूर्वक दबाया जाए और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर कठोर कार्रवाई हो, तो उसे लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में समय-समय पर ऐसे आरोप सामने आते रहे हैं कि चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सत्ता का प्रभाव प्रशासन और चुनावी व्यवस्था पर स्पष्ट दिखाई देता है। यदि जनता के मन में यह विश्वास ही समाप्त हो जाए कि उसका मत परिवर्तन ला सकता है, तो लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण आधार ही समाप्त हो जाता है।

पाकिस्तान स्वयं को लोकतांत्रिक राष्ट्र कहता है, लेकिन उसके व्यवहार में लोकतंत्र की मूल भावना बार-बार प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव करवा देना नहीं है, बल्कि असहमति का सम्मान करना, नागरिक अधिकारों की रक्षा करना और सत्ता की आलोचना को स्वीकार करना भी है। यदि विरोध करने वालों को राष्ट्रविरोधी या व्यवस्था विरोधी बताकर दबाने का प्रयास किया जाए, यदि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित कर दी जाए और यदि प्रशासन जनता के बजाय सत्ता के हितों की रक्षा करता दिखाई दे, तो लोकतांत्रिक मूल्यों की विश्वसनीयता स्वतः समाप्त होने लगती है। पाकिस्तान की यही दोहरी नीति आज उसके लोकतांत्रिक दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के लोगों की सबसे बड़ी पीड़ा केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक भी है। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद वहाँ का सामान्य नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहा है। बिजली संकट, महँगाई, बेरोजगारी, आवश्यक वस्तुओं की कमी और विकास की धीमी गति ने जनजीवन को अत्यंत कठिन बना दिया है। यह विडंबना है कि जिन नदियों से ऊर्जा उत्पन्न होती है, उसी क्षेत्र के लोग लंबे समय तक बिजली कटौती झेलने को विवश हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उनके संसाधनों का उपयोग तो किया जाता है, लेकिन उनके विकास के लिए अपेक्षित निवेश नहीं किया जाता। ऐसी स्थिति में जनता के भीतर असंतोष का बढ़ना स्वाभाविक है।

लोकतांत्रिक शासन की सबसे बड़ी कसौटी यह होती है कि वह संकट के समय जनता के साथ किस प्रकार खड़ा रहता है। यदि जनता की शिकायतों का समाधान संवाद से करने के बजाय दमन से किया जाए, तो यह शासन की कमजोरी का प्रमाण होता है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में विरोध प्रदर्शनों और असंतोष के प्रति जिस प्रकार का रवैया अपनाए जाने के आरोप लगते रहे हैं, वे चिंता पैदा करते हैं। लोकतंत्र का उत्तर हिंसा नहीं, बल्कि संवाद होता है। दुर्भाग्य से जब शासन संवाद छोड़कर शक्ति प्रदर्शन का मार्ग अपनाता है, तब जनता और व्यवस्था के बीच विश्वास की खाई और गहरी हो जाती है। विश्व समुदाय के सामने भी यह एक गंभीर नैतिक प्रश्न है। यदि लोकतंत्र और मानवाधिकार वास्तव में सार्वभौमिक मूल्य हैं, तो उनका संरक्षण केवल कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक सीमित नहीं होना चाहिए।

अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ और महाशक्तियाँ अनेक अवसरों पर दुनिया के विभिन्न हिस्सों में मानवाधिकारों और लोकतंत्र की रक्षा की बात करती हैं। यदि यही सिद्धांत सार्वभौमिक हैं, तो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में उठ रहे प्रश्नों की भी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। मानवाधिकारों का मूल्य भौगोलिक सीमाओं से निर्धारित नहीं होता। जहाँ भी नागरिकों की स्वतंत्रता और सम्मान प्रभावित होता है, वहाँ वैश्विक समुदाय की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह स्थिति पर गंभीरता से ध्यान दे।

भारत ने हाल की घटनाओं के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की स्थिति की ओर आकर्षित किया है और वहाँ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा तथा दमन रोकने की आवश्यकता पर बल दिया है। इस प्रकार की अपील को केवल कूटनीतिक दृष्टि से नहीं, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी देखा जाना चाहिए। यदि किसी क्षेत्र में चुनावी प्रक्रिया पर लगातार प्रश्न उठ रहे हों, यदि नागरिक असुरक्षा और अविश्वास के वातावरण में जी रहे हों और यदि उनके मौलिक अधिकार प्रभावित हो रहे हों, तो विश्व समुदाय की निष्क्रियता भविष्य के लिए और भी गंभीर संकट उत्पन्न कर सकती है। पाकिस्तान की लोकतांत्रिक नीतियों का सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि एक ओर वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लोकतंत्र, न्याय और जनाधिकारों की बात करता है, वहीं दूसरी ओर अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में उन्हीं मूल्यों को व्यवहार में उतारने में विफल दिखाई देता है। लोकतंत्र की विश्वसनीयता केवल भाषणों से नहीं, बल्कि शासन की कार्यशैली से सिद्ध होती है। यदि नागरिक स्वयं को उपेक्षित, असुरक्षित और असहाय महसूस करें, तो लोकतंत्र का दावा खोखला प्रतीत होने लगता है। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ सत्ता परिवर्तन की संभावना, स्वतंत्र संस्थाएँ, निष्पक्ष प्रशासन और नागरिकों की गरिमा की रक्षा है। यदि ये तत्व अनुपस्थित हों, तो चुनाव केवल औपचारिक प्रक्रिया बनकर रह जाते हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण, स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी वातावरण में संपन्न हों। मतदाता बिना किसी भय या दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें, राजनीतिक दल समान अवसर प्राप्त करें और चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास पुनर्स्थापित हो। यह केवल उस क्षेत्र के लोगों के हित में नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में स्थिरता और शांति के लिए भी आवश्यक है। विश्व की महाशक्तियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल वक्तव्यों से नहीं होती। जहाँ लोकतांत्रिक संस्थाएँ कमजोर पड़ती हैं, वहाँ समय रहते निष्पक्ष निगरानी, संवाद और मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए रचनात्मक प्रयास आवश्यक होते हैं। यदि दुनिया ऐसे मामलों में मौन रहती है, तो लोकतंत्र के सार्वभौमिक मूल्यों की विश्वसनीयता भी कमजोर पड़ती है।

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की वर्तमान परिस्थितियाँ दुनिया के लिए एक चेतावनी हैं कि चुनाव केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास की सबसे बड़ी परीक्षा होते हैं। यदि यह विश्वास टूट जाता है, तो असंतोष, अस्थिरता और संघर्ष की परिस्थितियाँ जन्म लेती हैं। आज आवश्यकता किसी राजनीतिक पक्ष का समर्थन करने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र, न्याय, पारदर्शिता और मानवाधिकारों की रक्षा करने की है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को निष्पक्ष दृष्टि से स्थिति का आकलन करते हुए यह सुनिश्चित करने का प्रयास करना चाहिए कि वहाँ के नागरिकों को वही अधिकार और सम्मान मिले, जो किसी भी लोकतांत्रिक समाज के नागरिकों का स्वाभाविक अधिकार है। दुनिया की आँखें अब इस ओर खुलनी चाहिए, क्योंकि जहाँ लोकतंत्र कमजोर होता है, वहाँ अंततः पूरी मानवता की नैतिक शक्ति भी कमजोर पड़ती है।

नजरिया

पंजाब में बंगाल दोहराएगी बीजेपी !

डॉ. आशीष वशिष्ठ

पिछले साल 2027 में पंजाब के साथ गोवा, गुजरात, मणिपुर, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं। बीजेपी के लिए पंजाब एक अनोखी चुनावी चुनौती बना हुआ है क्योंकि यह एकमात्र ऐसा राज्य है जहां पार्टी कभी भी अपने दम पर सत्ता में नहीं रही है। तो, क्या चुनावी लड़ाई के लिए तैयार और अनुभवी भाजपा पंजाब में कोई चौंकाने वाला नतीजा दे सकती है? क्या 2026 में पश्चिम बंगाल या 2024 में ओडिशा जैसा रिजल्ट पंजाब में होगा? खैर, यही बात पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनावों को एक दिलचस्प राजनीतिक लड़ाई बनाती है। बीजेपी पंजाब को अपना अगला बड़ा मोर्चा मान रही है और उसे उम्मीद है कि वह ओडिशा और पश्चिम बंगाल में लिखी गई ऐतिहासिक पटकथा को यहां भी दोहरा पाएगी। जब उसने इन दोनों राज्यों में लंबे समय से सत्ता में रही सरकारों को सत्ता से बेदखल कर दिया था। भगवा पार्टी ने पंजाब में अपने अभियान को पहले ही जोरदार और आक्रामक गति दे दी है और घोषणा की है कि भगवंत सिंह मान सरकार के जाने की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। पंजाब में बीजेपी ने बड़ा सियासी दांव खेलते हुए केवल सिंह ढिल्लों को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। ढिल्लों पार्टी के दूसरे सिख और पहले जाट सिख अध्यक्ष बने हैं। उन्होंने सुनील जाखड़ की जगह ली है जो भाजपा में इस पद पर रहने वाले पहले जाट नेता थे। यह बदलाव केवल संगठनात्मक नहीं, बल्कि पंजाब में पार्टी की सामाजिक और राजनीतिक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है।

पंजाब में जाट सिख लंबे समय से राज्य की राजनीति का सबसे प्रभावशाली वर्ग माने जाते रहे हैं। ऐसे में केवल सिंह ढिल्लों की नियुक्ति साफ संकेत देती है कि बीजेपी अब सीधे इस वर्ग में अपनी पैठ मजबूत करना चाहती है। ढिल्लों के सामने एक चुनौती है। उन्हें भरोसा है कि 202% में बीजेपी अपनी सरकार बनाएगी। उनकी नियुक्ति से बीजेपी में थोड़ी हलचल मच गई थी, क्योंकि कैप्टन अमरिंदर सिंह ने चिंता जाहिर की थी और ऐसी खबरें थीं कि वह नाराज हैं। लेकिन अब ऐसा लगता है कि मामला सुलझ गया है, कम से कम ऊपर से देखने पर तो ऐसा ही लगता है। पार्टी की रणनीति सिर्फ जाट सिखों तक सीमित नहीं है, बल्कि ओबीसी, अनुसूचित जाति और गैर-जाट सिख समुदायों को भी अपने साथ जोड़ने की है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बीजेपी की यह रणनीति हरियाणा मॉडल से प्रेरित है, जहां जाट बनाम बाकी' की राजनीति ने पार्टी को सत्ता तक पहुंचाया था। किसान आंदोलन के दौरान 2020 में पंजाब बीजेपी के संगठन मंत्री दिनेश कुमार ने भी खुलकर कहा था कि पंजाब में जाट सिखों का दबदबा है और 82 प्रतिशत गैर-जाट आबादी को सत्ता में पर्याप्त हिस्सेदारी नहीं मिली। हालांकि, जाट सिखों की आबादी को लेकर हमेशा बहस रही है। बावजूद इसके, यह अब भी राज्य का सबसे संगठित और निर्णायक वोट बैंक माना जाता है। यही वजह है कि बीजेपी इस वर्ग को नजरअंदाज नहीं कर सकती। राजनीतिक जानकार मानते हैं कि पंजाब में सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि छवि भी अहम होती है। बीजेपी एक तरफ जाट सिखों को नेतृत्व देकर उन्हें साधने की कोशिश कर रही है, तो दूसरी तरफ गैर-जाट वोटों को भी अपने पक्ष में लामबंद करना चाहती है। विधानसभा चुनाव में यह रणनीति कितना असर दिखाती है, यह देखने वाली बात होगी।

दलित समुदाय को जोड़ने के लिए बीजेपी ने 'श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान' चलाया है। संत रविदास की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में यह अभियान 29 जुलाई से शुरू होकर अगले साल 20 फरवरी तक सात महीने चलेगा। पंजाब की कुल दलित आबादी में रविदासिया और रामदासिया समुदाय की हिस्सेदारी लगभग 20.76 फीसदी है। अकाली दल और कांग्रेस के कमजोर होते पारंपरिक समीकरणों के बीच बीजेपी इस सबसे बड़े वोट बैंक के सहारे पंजाब में अपनी स्वतंत्र और मजबूत राजनीतिक जमीन तैयार करने की कोशिश कर रही है। वहीं ओबीसी वोटरों के एक बड़े वर्ग को साधने के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पंजाब में बेहद सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। असल में, पंजाब के दोआबा और पुआध क्षेत्रों में सैनी समाज की अच्छी-खासी आबादी है। नायब सिंह सैनी खुद इसी समुदाय से आते हैं, जिससे वह इन वोटरों को आकर्षित करने के लिए बीजेपी का सबसे मजबूत चेहरा बन गए हैं। शहरी पंजाबी वोटरों को एकजुट करने के लिए बीजेपी के राज्यसभा सांसद तरुण चुघ के नेतृत्व में एक टीम लगातार सक्रिय है। वहीं आप से टूटकर बीजेपी में शामिल हुए राघव चड्ढा एवं अन्य सांसद भी बीजेपी का माहौल बना रहे हैं।

वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अकेले विधानसभा चुनाव लड़ा और कांग्रेस के नाराज नेताओं के लिए अपने दरवाजे खोल दिए, जो उस समय कैप्टन अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच सत्ता की खींचतान में फंसे हुए थे। कांग्रेस के कई बड़े नेता, जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह और पंजाब कांग्रेस के पूर्व प्रमुख सुनील कुमार जाखड़ शामिल थे, आखिरकार भाजपा में शामिल हो गए। हालांकि भाजपा 2022 में सिर्फ दो सीटें ही जीत पाई, लेकिन अकेले चुनाव लड़ने से राज्य में पार्टी की भविष्य की योजनाओं के लिए आधार तैयार हो गया। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के पंजाब दौरे के बाद ये साफ हो गया है कि पार्टी विधानसभा चुनावों में सभी 117 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। काफी समय तक, पंजाब में बीजेपी अपने पुराने सहयोगी, शिरोमणि अकाली दल के साथ दूसरे नंबर की पार्टी बनकर खुश थी। जब भी अकाली दल ने अच्छा प्रदर्शन किया, बीजेपी को भी फायदा हुआ। लेकिन सितंबर 2020 में कृषि कानूनों को लेकर उनका गठबंधन टूट गया, तो बीजेपी ने राज्य में मुख्य पार्टी बनने का इरादा जाहिर किया। गठबंधन के टूटने के बाद, शिरोमणि अकाली दल अपनी अहमियत बनाए रखने की लड़ाई लड़ रही है। हालांकि, पंजाब बीजेपी के लिए आसान नहीं हो सकता है। पार्टी को अभी भी कई चुनौतियों से निपटना है, जैसे कि कृषि कानूनों का असर, शहरी पार्टी वाली अपनी छवि, ग्रामीण पंजाब में भरोसे की कमी, और एक ऐसा सामाजिक गठबंधन बनाना जो आप के कल्याणकारी योजनाओं वाले वोट बैंक, कांग्रेस के पारंपरिक वोट बैंक और अकाली दल के बचे-खुचे ग्रामीण सिख समर्थन का मुकाबला कर सके। वहीं सत्ताधारी आप भी आत्मविश्वास से भरी है, क्योंकि हाल ही में हुए निकाय चुनावों में उसका प्रदर्शन शानदार रहा है। भगवंत मान ने राज्य की महिलाओं को लुभाने के लिए एक बड़ा कल्याणकारी दांव भी खेला है, जिन्होंने कई राज्यों में चुनावों में निर्णायक भूमिका निभाई है।

इन सब के बीच, कांग्रेस और आप दोनों को ही भाजपा की चौंकाने वाले नतीजे देने की क्षमता को कम नहीं आंकना चाहिए। भगवा पार्टी ने कुछ राज्यों में ऐसा पहले भी किया है। पश्चिम बंगाल में 10 साल पहले महज 3 सीटें जीतने वाली पार्टी इस बार दोहरे शतक तक पहुंच गई। वहीं हाल ही में बीजेपी नेताओं और कार्यालयों पर हुए हमलों के बाद से पार्टी के लिए जनसमर्थन और सहानुभूति बढ़ी है। वही इससे आप सरकार पर लचर कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। ये बात दीगर है कि, पंजाब में मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने 2022 की करारी हार के बाद खुद को फिर से खड़ा करने में कोई खास जल्दबाजी नहीं दिखाई है। फिलवक्त पार्टी गुटबाजी और अंतर्कलह से जूझ रही है। विधानसभा चुनाव में भाजपा, आप को हरा पाएगी या नहीं, यह तो समय ही बताएगा। लेकिन एक बात पक्के तौर पर कही जा सकती है, अगर कांग्रेस ने राज्य में खुद को नहीं संभाला, तो बीजेपी उसे पंजाब की राजनीति में हाशिए पर धकेल सकती है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

पूजा

आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में आषाढ़ मास के शुभ अवसर पर इंद्राकीलाद्रि पहाड़ी पर स्थित कनक दुर्गा मंदिर में पूजा-अर्चना करने के लिए कतार में खड़े श्रद्धालु।

वायु प्रदूषण से हुमायूं के मकबरे का हो रहा क्षरण : आईआईटी अध्ययन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रुड़की स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी-रुड़की) और आईआईटी-कानपुर के संयुक्त अध्ययन से पता चला है कि वायु प्रदूषण की वजह से दिल्ली स्थित हुमायूं के मकबरे पर लगे बलुआ पत्थर के क्षरण की गति बढ़ रही है। यह मकबरा यूनेस्को की विरासत सूची में शामिल है। 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आर्किटेक्चरल हेरिटेज' में प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक, अध्ययन के दौरान हुमायूं के मकबरे के विभिन्न हिस्सों से एकत्र किए गए काले परत के नमूनों की रासायनिक संरचना, खनिज सामग्री और सूक्ष्म संरचना का विश्लेषण करने के लिए प्रयोगशाला तकनीकों का उपयोग किया गया। अनुसंधान टीम ने पाया कि काली परत मुख्य रूप से जिप्सम से बनी होती है और प्रदूषित हवा में मौजूद सल्फर डाइऑक्साइड, कैल्शियम से भरपूर धूल और नमी के साथ प्रतिक्रिया करने पर बनती है।

अध्ययन के मुताबिक जिप्सम की परत गाड़ियों के धुएं, निर्माण कार्यों, सड़क की धूल, कृषि अपशिष्ट के जलाने और औद्योगिक प्रदूषण से निकलने वाली कालिख, धूल और धातु के बारीक कणों को रोक लेती है, जिससे धीरे-धीरे बलुआ पत्थर पर एक काली परत बन जाती है।

अध्ययन में सामने आया कि स्मारक के बारिश से बचे हिस्सों में सबसे मोटी काली परत बन गई, जहां लंबे समय तक प्रदूषक जमा होते रहते हैं, जबकि ज़्यादा खुली सतहों पर परतें अपेक्षाकृत पतली थीं क्योंकि बारिश स्वाभाविक रूप से कुछ प्रदूषकों को धो देती है।

सम्मान

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविंदर गुप्ता रविवार को शिमला के लोक भवन में 'निफा' द्वारा आयोजित 'संवेदना-2' पुरस्कार समारोह के दौरान रक्तदाताओं और स्वयंसेवकों को सम्मानित करते हुए।

कैसे सेउटा सीमा संकट ने स्पेन के धुर दक्षिणपंथ के लिए राजनीतिक अवसर पैदा कर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैड्रिड/द कन्वरसेशन। अनुमान है कि सीमा व्यवस्था लगभग ध्वस्त हो जाने के बाद एक ही दिन में 50,000 से अधिक प्रवासी स्पेन के छोटे से स्वायत्त शहर सेउटा में प्रवेश कर गए। सेउटा, मोरक्को के उत्तरी तट पर स्थित स्पेन का एक स्वायत्त शहर है। स्पेन सरकार का कहना है कि इनमें से लगभग सभी प्रवासी बाद में मोरक्को लौट गए, जबकि इस घटना में कम से कम 57 लोगों की मौत हुई। यह सब कैसे और क्यों हुआ, इसे लेकर कई सवाल उठे लेकिन लोगों के सामने सबसे पहले सिर्फ तस्वीरें और वीडियो आए। इनमें कुछ लोग तैरकर और कुछ सेउटा के ताराजल समुद्र तट पर चढ़कर शहर में प्रवेश करते दिखाई दिए। एक ही दिन और रात में हजारों लोग सीमा पार करते दिखे और कई लोगों की जान चली गई। जब किसी घटना के पीछे के तथ्य और स्पष्ट जानकारी उपलब्ध नहीं होती, तब सबसे पहले लोगों की कल्पना सक्रिय हो जाती है। यही कल्पना किसी देश में प्रवासन को लेकर बनने वाली सोच और जनधारणा की बुनियाद तैयार करती है। सेउटा सीमा पर हुई यह घटना स्पेन की उस सकारात्मक छवि को चुनौती देती है, जिसे उसने वर्षों से गढ़ा है। लंबे फासीवादी शासन के बाद स्पेन ने खुद को ऐसे देश के रूप में स्थापित करने का प्रयास किया है, जो प्रवासन और विविधता का स्वागत करता है, जबकि यूरोप के कई अन्य देश सीमाओं को मजबूत करने और सुरक्षा दीवारें खड़ी करने पर जोर देते रहे हैं। स्पेन पूरे विश्वास के साथ यह संदेश दुनिया के सामने रखता है कि वह यूरोप और अफ्रीका के संगम पर स्थित ऐसा देश है, जिसकी पहचान सदियों से विभिन्न संस्कृतियों के मेल से बनी है। उसने कई बार इन आदर्शों को व्यवहार में भी उतारा है। केवल छह महीने पहले ही उसने देश में रह रहे और काम कर रहे लाखों प्रवासियों में से सैकड़ों हजार लोगों के लिए वैध निवास का रास्ता खोला था। लेकिन किसी देश की आत्म-छवि और जनमत केवल कानूनों से नहीं बनते, बल्कि वे सामाजिक और सांस्कृतिक प्रक्रियाओं का परिणाम होते हैं। उनकी नींव भावनाओं पर टिकी होती है। यही कारण है कि वे कानूनों की तुलना में कहीं अधिक संवेदनशील होते हैं और भ्रामक सूचनाओं तथा राजनीतिक दुरुपयोग का आसानी से शिकार बन जाते हैं।

सेउटा की घटना से एक दिन पहले तक प्रवासन को लेकर सार्वजनिक विमर्श सामान्य और संतुलित था।

कोरियोग्राफर बॉस्को मार्टिस अपनी पत्नी के साथ मुंबई में एस्सेल ग्रुप के 100 वर्ष पूरे होने के जश्न के समारोह में शामिल हुए।

'बंटवारा 1947' के प्रमोशन के लिए पटना पहुंचे सनी देओल

पटना/एजेन्सी

बॉलीवुड के दमदार अभिनेता सनी देओल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'बंटवारा 1947' को लेकर लगातार चर्चा में हैं। फिल्म देश के विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित है। सनी देओल अपने बेटे करण देओल के साथ फिल्म के प्रमोशन में जुटे हुए हैं। फिल्म प्रमोशन की शुरुआत दोनों ने बिहार की राजधानी पटना से की। रविवार को सनी देओल और करण देओल पटना पहुंचे। दोनों को पटना एयरपोर्ट पर कैजुअल लुक में देखा गया। जैसे ही पिता-पुत्र की यह जोड़ी एयरपोर्ट से बाहर निकली, मीडिया और फैंस ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया। दोनों ने मुस्कुराते हुए लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान सनी देओल ने मीडिया से बातचीत भी की। जब पत्रकारों ने सनी देओल से पूछा कि फिल्म के प्रमोशन की शुरुआत के लिए पटना को ही क्यों चुना गया, तो उन्होंने कहा, ''पटना फिल्म के प्रमोशनल सिटी टूर का पहला पड़ाव है। हमारी टीम अलग-अलग शहरों में जाकर दर्शकों से जुड़ेगी। पटना से इस सफर की शुरुआत की गई है।''

बातचीत के दौरान सनी देओल ने बताया कि 'बंटवारा 1947' पहली ऐसी फिल्म है, जिसमें वह अपने बेटे करण देओल के साथ काम कर रहे हैं। हम दोनों का एक साथ किसी फिल्म का हिस्सा बनना यादगार पल रहा। वहीं करण देओल भी इस मौके पर काफी उत्साहित नजर आए। हाल ही में फिल्म 'बंटवारा 1947' का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसे दर्शकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म उस दौर की कहानी कहती है, जब देश आजादी की ओर बढ़ रहा था, लेकिन दूसरी ओर लाखों लोग हिंसा, डर और विस्थापन जैसी त्रासदी का सामना कर रहे थे। ट्रेलर में उस दौर की पीड़ा को दर्शाने की कोशिश की गई।

फिल्म में सनी देओल और करण देओल के अलावा शबाना आजमी, प्रीति जिंटा, अली फजल और अभिमन्यु सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कहानी एक ऐसे परिवार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी जिंदगी भारत-पाकिस्तान विभाजन के दौरान हुई हिंसा और जबरन पलायन की वजह से पूरी तरह बदल जाती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म असगर वजाहत के चर्चित नाटक 'जिस लाहौर नहीं वेख्या, ओ जम्याई नई'' पर आधारित है।

आजादी जरूरी है, लेकिन जिम्मेदारी भी होनी चाहिए : कंगना

मुंबई/एजेन्सी

अपने बेबाक बयानों के लिए मशहूर बॉलीवुड अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत एक बार फिर सुर्खियों में हैं। सामाजिक मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखने वाली कंगना ने इस बार जेन जी यानी नई पीढ़ी और आजादी के मायने पर अपनी बात रखी है। उन्होंने जिम में हुई एक दिलचस्प बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि हर इंसान को अपनी पसंद के मुताबिक जिंदगी जीने की आजादी है, लेकिन उसकी आजादी किसी दूसरे की जिंदगी या सुरक्षा के लिए खतरा नहीं बननी चाहिए। कंगना रनौत ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक लंबा पोस्ट साझा किया। इसमें उन्होंने लिखा, ''आज जिम में मेरी मुलाकात दो जेन जी लड़कियों से हुई। उन्होंने मुझसे कहा कि उनका जन्म डिजिटल युग में हुआ है और सोशल मीडिया, इंस्टाग्राम, डेटिंग ऐप्स, एआई जैसी चीजें उनकी जिंदगी का हिस्सा हैं। मैंने उनसे कहा कि आपको अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीने की पूरी आजादी है, लेकिन यह आजादी तब तक ही सही है, जब तक उससे किसी दूसरे व्यक्ति को नुकसान न पहुंचे।''

अपनी बात को समझाते हुए कंगना ने हाल के कुछ चर्चित अपराधों का जिक्र किया। उन्होंने केतन अग्रवाल मामले और 'ब्लू ड्रम' केस का उदाहरण देते हुए कहा, ''यह आजादी तब तक ही सही है, जब तक आप किसी दूसरे के बच्चे को चट्टान से नीचे नहीं फेंकते या उसके टुकड़े-टुकड़े नहीं करते। आज कई ऐसे मामले सामने आ रहे हैं, जहां उदार और पारंपरिक जीवनशैली के बीच टकराव देखने को मिल रहा है और कई मासूम बच्चों की जान जा रही है। यह हम सभी के लिए चिंता की बात है। वे भी इस बात से सहमत थीं कि आजादी के साथ जिम्मेदारी भी जरूरी है। मेरे जेन जी दोस्तों को फ्रेंडशिप डे की शुभकामनाएं। शांति बनाए रखें।''

कंगना का यह पोस्ट ऐसे समय में आया है, जब वह पहले से ही जेन जी को लेकर दिए गए अपने एक बयान की वजह से विवादों में हैं। कुछ दिन पहले उन्होंने जेन जी को 'गटर जेनरेशन' कहा था। उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर उनकी काफी आलोचना हुई थी। दरअसल, यह पूरा विवाद कंगना रनौत के उन सोशल मीडिया पोस्ट के बाद शुरू हुआ, जिनमें उन्होंने नई पीढ़ी और कुछ भारतीय महिलाओं पर तीखी टिप्पणी की थी। पोस्ट में कंगना ने जेन जी की परवरिश पर भी सवाल उठाए थे।

कुब्रा सैत ने पर्वतारोही निर्मल निम्स पुर्जा को दी भावुक श्रद्धांजलि

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री कुब्रा सैत ने दिग्गज पर्वतारोही निर्मल निम्स पुर्जा के निधन की खबर पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। इन दिनों नेपाल में मौजूद कुब्रा ने कहा कि यह क्षति उनके लिए बेहद व्यक्तिगत है। उन्होंने निम्स को हमारे समय के सबसे महान पर्वतारोहियों में से एक बताते हुए कहा कि उनके जाने से पूरी पर्वतारोहण बिरादरी को गहरा आघात पहुंचा है। निम्स की असाधारण उपलब्धियों को याद करते हुए कुब्रा ने कहा कि उन्होंने महज़ 6 महीने और 6 दिनों में दुनिया की सभी 14 आठ-हज़ारी चोटियों को फतह कर मानवीय क्षमता की सीमाओं को नई परिभाषा दी। उनके मुताबिक, निम्स का सफर केवल रिकॉर्ड बनाने तक सीमित नहीं था, बल्कि वह साहस, धैर्य और पहाड़ों के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक था। कुब्रा ने कहा, मैं आज नेपाल में हूं। यह उनका घर है और इसलिए यह क्षति मेरे लिए बेहद निजी महसूस हो रही है। उन्होंने बताया कि पहाड़ों के बीच रहकर यह खबर सुनना उनके लिए और भी भावुक कर देने वाला अनुभव है।

पहाड़ों से मिली सीख साझा करते हुए उन्होंने कहा, पहाड़ आपको विनम्र बनाते हैं। वे आपको एहसास दिलाते हैं कि आप कितने छोटे हैं। और दिलचस्प बात यह है कि शिखर तक पहुंचना कभी अंतिम मंज़िल नहीं होता। वहां आप कुछ मिनट जश्न मना सकते हैं, लेकिन असली चुनौती सुरक्षित नीचे लौटने की होती है। हालांकि कुब्रा ने स्वीकार किया कि उनकी निम्स से कभी व्यक्तिगत मुलाकात नहीं हुई, लेकिन पहाड़ों के प्रति साझा सम्मान और पर्वतारोहण के जुनून ने उन्हें उनसे गहराई से जोड़े रखा।

उन्होंने कहा, मैं उनसे कभी नहीं मिली। लेकिन जिसने भी कभी पर्वतारोहण के जूते पहने हैं, ऊंचाई पर गहरी सांस ली है या किसी पहाड़ को सम्मान और विस्मय के साथ देखा है, वह जानता है कि हमने सच में अपना एक साथी खो दिया है।कुब्रा ने निम्स के परिवार, उनके साथियों और दुनिया भर के पर्वतारोहियों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की है। उनकी विरासत को याद करते हुए उन्होंने भावुक शब्दों में कहा, शांति से विश्राम करें, निम्स। आपकी चढ़ाई भले ही पूरी हो गई हो, लेकिन आपकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को हमेशा नई ऊंचाइयों तक पहुंचने की प्रेरणा देती रहेगी।

जनता बाइट्स

अभिनेत्री फरहाना भट्ट, रुहानिका धवन और अविका गौर मुंबई में 'खतरो के खिलाड़ी 15' के 'जनता बाइट्स' सत्र के दौरान तस्वीर खिंचवाती हुईं।

'टॉक्सिक' का ट्रेलर 8 को होगा रिलीज़

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक 'टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' के ट्रेलर का इंतज़ार अब आखिरकार खत्म होने वाला है। मेकर्स ने रॉकिंग स्टार यश का एक दमदार नया पोस्टर जारी करते हुए ऐलान किया है कि फिल्म का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर 8 अगस्त 2026 को रिलीज़ होगा। फिल्म के अब तक के कैंपेन की तरह यह नया पोस्टर भी रहस्य से भरपूर है। पोस्टर में यश के किरदार 'राया' की सिल्हूट नज़र आती है, जिसके हाथ में टॉमी गन है। यह झलक फिल्म की विशाल और रॉ दुनिया की ओर इशारा तो करती है, लेकिन कहानी के पत्ते अब भी नहीं खोलती। अब तक रिलीज़ हुए हर पोस्टर और टीज़र की तरह इस पोस्टर ने भी सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है, जहां फैंस कहानी और राया के सफर को लेकर तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि ट्रेलर का भव्य लॉन्च बेंगलुरु में होगा, जो यश और केवीएन प्रोडक्शंस का होम स्टेट भी है। 8 अगस्त की तारीख एक और खास वजह से यादगार है, क्योंकि इसी दिन 'टॉक्सिक' की शूटिंग शुरू हुए पूरे दो साल पूरे हो जाएंगे। अब तक फिल्म की हर झलक ने राज़ बनाए रखने की रणनीति अपनाई है। शानदार विजुअल्स और रहस्यमयी इमेजरी के जरिए दर्शक खुद 'टॉक्सिक' की दुनिया को जोड़ने की कोशिश करते रहे हैं। अब ट्रेलर उस अधूरी तस्वीर का आखिरी टुकड़ा बनने जा रहा है, जो दर्शकों को फिल्म की दुनिया, उसके किरदारों, उसके भव्य स्केल और साल की सबसे रहस्यमयी कहानी की पहली पूरी झलक देगा।

गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी 'टॉक्सिक: ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' में रॉकिंग स्टार यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी अहम भूमिकाओं में नज़र आएंगे।

कन्नड़ और अंग्रेज़ी में एक साथ शूट की गई यह फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में भी रिलीज़ होगी। केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी यह बहुप्रतीक्षित फिल्म 26 अगस्त 2026, बुधवार को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

जेन-जी प्रोटेस्ट पर तनुश्री दत्ता बोलीं-राष्ट्रीय सुरक्षा पर ध्यान देना जरूरी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने शनिवार को सोशल मीडिया के जरिए जेन-जी प्रोटेस्ट पर अपने विचार व्यक्त किए। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर नेशनल सिक्योरिटी और बॉर्डर के मुद्दों पर ज्यादा ध्यान देने की अपील की। साथ ही जेन जी से अपना गुस्सा जिम्मेदारी से जाहिर करने की अपील की। वीडियो में तनुश्री दत्ता कहती हैं, फिलहाल, देश के किसी भी बड़े अधिकारी का इस्तीफा देश के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। हम चारों ओर से घिरे हुए हैं। हर तरफ बॉर्डर पर तनाव है, खासकर बांग्लादेश बॉर्डर और चीन पर। हालांकि, बांग्लादेश बॉर्डर पूरी तरह से सील नहीं हुआ है, क्योंकि वहां जो कुछ भी हो रहा था, वो रुकने लगा है। इसलिए थोड़ा विरोध तो होगा ही। पीएम मोदी और अमित शाह ने मिलकर बांग्लादेश बॉर्डर सील किया था, उसके बाद ये सारे मुद्दे सामने आए। मैं ये नहीं कह रही कि छात्र आंदोलन की कोई वजह नहीं थी, लेकिन वो हल हो चुका है। मुख्य मुद्दा सुलझ गया है। समाधान निकल चुका है। तनुश्री ने कहा, इस समय एक नए व्यक्ति पर भरोसा करना मुश्किल है। कौन जाने बॉर्डर का मुद्दा कहां से शुरू हो जाए। लोगों को समझना चाहिए कि अभी बदलाव का समय नहीं है, जहां जिसकी ड्यूटी लगी है उसे वहीं अपना काम करने दीजिए क्योंकि कमान संभालना दो दिन का काम नहीं होता। अभी इसे बदलने का

मतलब है अपने देश को बॉर्डर के मामले में कमजोर करना। देश के दुश्मन चाहते हैं कि हम बॉर्डर के मामले में कमजोर हों। पेपर लीक की वजह से जेन जी का गुस्सा जायज भी है, लेकिन अब उस मुद्दे को सुलझाया जा रहा है। लीडरशिप काम कर रही है तो फिर अभी मामले को क्यों बढ़ाया जाए? मामला इसलिए बढ़ रहा है, क्योंकि जो बॉर्डर क्रॉसिंग हो रही थी वो अब बंद हो गई है तो जिन्होंने इसे बंद किया है, क्या उनके खिलाफ कार्रवाई होगी?अभिनेत्री ने वीडियो पोस्ट कर लिखा, जेन जी के कंधे पर बंदूक है, निशाना है इंडिया।

उन्होंने आगे लिखा, एजुकेशन सिस्टम के सुधार की शुरुआत हो चुकी है। अब इस मुद्दे को छोड़कर हमें अपनी सीमाओं को सुरक्षित करने और बाकी जरूरी कामों पर ध्यान देना चाहिए।अभिनेत्री ने युवा पीढ़ी को समझाते हुए लिखा, गुस्से और भीड़ के कहने पर किसी सही से चल रही सरकारी व्यवस्था को हिलाना ठीक नहीं है। जेन जी को अपना गुस्सा जिम्मेदारी से दिखाना चाहिए था।

हम सब जेन जी से प्यार करते हैं और पूरे भारत ने उनकी अहमियत को समझा है। सब चाहते हैं कि उनके लिए सबसे अच्छा हो, क्योंकि वो ही हमारे देश का भविष्य हैं। देश की लीडरशिप टीमें हम सभी को इंडिया में सेफ और कम्फर्टेबल रखने के लिए बहुत मेहनत कर रही है। अभिनेत्री ने जेन जी यानी कि युवा पीढ़ी को मैसेज देते हुए लिखा, हमारी युवा पीढ़ी बात को अच्छे से समझो, पॉलिटिक्स हमेशा ब्लैक एंड व्हाइट नहीं होती। अक्सर यह ग्रे जोन होता है इसलिए सावधान रहें कि आप किस पर भरोसा करते हैं।

तमिलनाडु-केरल-पांडिचेरी (टीकेपी) प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रदेश अध्यक्ष बने डॉ. अशोक मूँधडा व मंत्री महेंद्र मोहता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इरोड। तमिलनाडु-केरल-पांडिचेरी (टीकेपी) प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के सत्र 2023-2026 की अंतिम कार्यकारिणी एवं चुनाव बैठक रविवार को श्री माहेश्वरी ट्रस्ट सभा, इरोड में गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुई। बैठक में तमिलनाडु, केरल एवं पांडिचेरी की विभिन्न माहेश्वरी सभाओं के अध्यक्ष, सचिव, प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

माहेश्वरी ट्रस्ट सभा, इरोड के अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण कोठारी ने सभी अतिथियों एवं प्रतिनिधियों का स्वागत किया। टीकेपी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद कुमार मालपानी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि गत तीन वर्षों में समाज के सभी वर्गों के सहयोग से अनेक सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक, सेवा एवं व्यावसायिक गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि समाज की एकता ही संगठन की सबसे बड़ी शक्ति है। सभा के प्रदेश कोषाध्यक्ष जयप्रकाश मालपानी ने सत्र 2023-2026 का आय-व्यय विवरण सदन के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। प्रदेश मंत्री अशोक कुमार लाखोटिया ने कार्यकाल की विस्तृत कार्य रिपोर्ट सदन में प्रस्तुत की जिसमें सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, सेवा एवं संगठनात्मक गतिविधियों तथा विभिन्न उपलब्धियों का विस्तृत विवरण रखा।

मुख्य चुनाव अधिकारी ओमप्रकाश बागड़ी एवं चुनाव समिति के सदस्य श्यामसुंदर मेहता (चेयरमैन), राधा मोहन लाहोटी (इरोड) तथा मुकुल कुमार डागा (चेन्नई) ने निर्वाचन प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ सम्पन्न कराते हुए सत्र 2026-2029 के लिए निर्विरोध निर्वाचित नई कार्यकारिणी की आधिकारिक घोषणा की।

अशोक जे. मूँधडा तथा महेन्द्र मोहता

प्रदेश अध्यक्ष के लिए चेन्नई के डॉ. अशोक जे. मूँधडा, प्रदेश मंत्री के रूप में चेन्नई के महेन्द्र मोहता को चुना गया। वहीं उपाध्यक्ष आलोक साबू (कालीकट), एस. आर. डागा (शिवकाशी), कैलाश सारड़ा (सेलम), प्रदेश कोषाध्यक्ष : श्रीमोहन दमानी (चेन्नई), प्रदेश संगठन मंत्री जयप्रकाश मालपानी (चेन्नई), प्रदेश सह मंत्री रमेश कुमार चाण्डक (कालीकट) को बनाया गया। इसके साथ ही अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा की कार्यसमिति के लिए रामरतन कोठारी के निर्विरोध निर्वाचन की भी घोषणा की गई।

अपने प्रथम अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. अशोक मूँधडा ने सर्वप्रथम सम्पूर्ण समाज का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें एवं उनकी पूरी टीम को निर्विरोध चुनकर समाज ने एकता, विश्वास एवं संगठन की अनुकरणीय मिसाल प्रस्तुत की है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल पद का नहीं, बल्कि समाज के विश्वास एवं अपेक्षाओं का दायित्व है। नई कार्यकारिणी सेवा, पारदर्शिता, समर्पण एवं सामूहिक नेतृत्व की भावना के साथ कार्य करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर संगठन को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का प्रयास करेगी। नवनिर्वाचित प्रदेश मंत्री महेंद्र मोहता ने सभी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

दया ही मोक्ष मार्ग की वास्तविक सीढ़ी है : जयतिलक मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

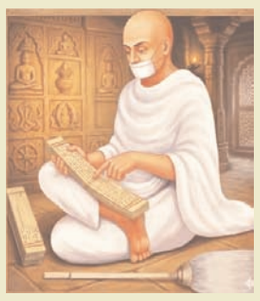

चेन्नई। श्री एस.एस. जैन संघ साहुकार पेट के तत्वावधान में जैन भवन में रविवार को आयोजित धर्मसभा में आचार्य जयमलजी म.सा. के शिष्य पूज्य जयतिलक मुनिजी म.सा ने धर्म, दया और आत्मकल्याण के विषय पर प्रेरणादायी प्रवचन दिया। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि छः काय के जीवों पर दया करना ही मोक्ष मार्ग की वास्तविक सीढ़ी है। अपने प्रवचन में मुनिश्री ने कहा कि धर्म का सही स्वरूप समझने के लिए सम्यक ज्ञान का होना आवश्यक है। ज्ञान के अभाव में व्यक्ति धर्म की गहराई को नहीं समझ सकता और न ही दया धर्म का सही आचरण कर सकता है। उन्होंने बताया कि सम्यक ज्ञान से सम्यक दर्शन उत्पन्न होता है और सम्यक दर्शन के आधार पर सम्यक चारित्र का विकास होता है, जो मोक्ष मार्ग का आधार है। मुनिश्री ने जीवदया के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जैन दर्शन में छः काय के जीवों की रक्षा को विशेष महत्व दिया गया है।

मुनिश्री ने कहा कि मोक्ष प्राप्ति के लिए केवल बाहरी तपस्या पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसके पीछे सही ज्ञान और शुद्ध भावना का होना भी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि ज्ञानपूर्वक की गई एक नवकारसी भी अनेक अशुभ कर्मों की निर्जरा का कारण बन सकती है, जबकि अज्ञानपूर्वक की गई तपस्या अपेक्षित फल नहीं देती। यदि आश्रव को नहीं रोका जाए तो कर्मों की निर्जरा संभव नहीं हो सकती। नवकार महामंत्र के जाप का लाभ सुगनचंद कान्तिलाल छल्लाणी परिवार ने लिया। यह जानकारी संघ के सहमंत्री सुमन धिया ने दी। संचालन संघ अध्यक्ष डा. संजय पिंचा ने किया।

गर्व से कहो हम जैन हैं, जीवन को दें सही टर्निंग : आचार्य कुलबोधिसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्य श्री कुलबोधिसूरीश्वरजी महाराज साहब के पावन सान्निध्य में वेपेरी श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में विराजित आचार्य भगवंत कुलबोधिसूरिश्वरजी म के सान्निध्य में आयोजित रविवारीय युवा शिबिर में बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर का विषय लाइफ मैनेजमेंट था। संघ अध्यक्ष तेजराज कोठारी, उपाध्यक्ष चंपालाल रांका ने स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दिल दिया है, जान भी देंगे, जिनशासन तेरे लिए तथा शासन मुझको प्यारा है, यह शासन मेरा है के घोषों के साथ हुआ। कार्यक्रम के लाभार्थी संघवी पंकुबाई भूरमल कोठारी परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया तथा संघ की ओर से उनका सम्मान भी किया गया।

आचार्य श्री ने कहा कि आज मनुष्य के पास भौतिक सुख-सुविधाओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन मन की शांति और चेहरे की सहज मुस्कान कहीं खो गई है। उन्होंने हास्यपूर्ण शैली में कहा कि यदि कोई गधा मुस्कुराता हुआ दिखाई दे तो समझ लेना कि वह इंसान बनने वाला है, और यदि इंसान मुरझाया हुआ दिखे तो समझ लेना कि वह गधा बनने की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मनुष्य को सबसे अधिक अशांत करने वाले दो कारण हैं, कॉम्पिटिशन (प्रतिस्पर्धा) और कम्पैरिजन (तुलना)। उन्होंने कहा कि संसार में अधिकांश लोग तीन कारणों से दुखी हैं, किसी के पास गाड़ी नहीं है, किसी के पास नई गाड़ी नहीं है, और किसी के पास पड़ोसी जैसी गाड़ी नहीं है। पहले दो दुःखों का समाधान निकल सकता है लेकिन तीसरे प्रकार के दुःख का अंत स्वयं तीर्थंकर भगवान भी नहीं कर सकते, क्योंकि इसका मूल कारण हमारी तुलना करने की प्रवृत्ति है। उन्होंने युवाओं से प्रश्न किया कि हम पूरी दुनिया से अपनी तुलना करते हैं, लेकिन क्या कभी स्वयं से भी तुलना की कि हम कल से आज बेहतर बने या नहीं?

साधु जीवन की महत्ता बताते हुए उन्होंने कहा कि साधु के पास न धन है, न परिवार, न कोई व्यक्तिगत सुविधा, फिर भी समाज उन्हें सम्मानपूर्वक स्वामी कहकर संबोधित करता है। यह सम्मान त्याग, संयम और चारित्र का है। उन्होंने कहा कि उनके उपदेश कभी-कभी कड़वे लग सकते हैं, इसलिए वे हास्य के माध्यम से उन्हें सहज बना देते हैं। आचार्य श्री ने जीवन प्रबंधन के लिए पांच आत्ममंथन के प्रश्न दिए, मैं कौन हूँ? मैं कैसा हूँ? मैं क्यों हूँ? मैं क्या हूँ? और मैं कहां हूं? उन्होंने कहा कि सबसे पहले गर्व से कहो हम जैन हैं। जन्म से प्राप्त जैन धर्म हमारा सौभाग्य है। चाहे संसार में कहीं भी चले जाएं अपने जैनत्व का गौरव कभी नहीं छोड़ना चाहिए। जैनों की संख्या कम होने के बावजूद दुनिया में हमारा बोलबाला है। उन्होंने मित्रों के आग्रह पर बुरी आदतों की ओर आकर्षित नहीं होने की प्रेरणा दी। उन्होंने अहिंसा, नैतिकता, सदाचार के सिद्धांतों को सहेजकर रखने की प्रेरणा दी। उन्होंने खुश रहने का श्रेष्ठ राजमार्ग बताते हुए कहा कि जो आपको प्राप्त हुआ है, उसे पसंद करना सीख लो। उन्होंने कहा कि जैन समाज संख्या में कम होते हुए भी पूरे विश्व में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। इसलिए प्रत्येक जैन को अपने धर्म और संस्कृति पर गर्व होना चाहिए। कार्यक्रम में लोभ पुस्तक के हिंदी एवं अंग्रेजी संस्करण का लोकार्पण ट्रस्ट मंडल द्वारा किया गया।

अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज में हिंदी माह का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज में विद्यालय हिंदी भाषा के प्रति सम्मान, उसके अधिकाधिक प्रयोग और उसके विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हिंदी माह का उद्घाटन समारोह बड़े हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ईश वंदना से किया गया। विद्यालय की छात्रा नियति परमार ने अपने स्वागत भाषण द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया।

हिंदी विभागाध्यक्षा अंशु अग्रवाल ने हिंदी माह के उप विषय 'एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) का मानव जीवन पर प्रभाव' विषय पर प्रकाश डालते हुए वर्गानुसार पूरे माह होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं के बारे में जानकारी दी। मुख्य अतिथि प्रधानाचार्या सी विजयलक्ष्मी ने विद्यार्थियों को हिंदी के प्रति प्रेरित करते हुए अनुशासन, परिश्रम और नैतिक मूल्यों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने स्वागत नृत्य, गीत, भाषण, नाटक, सुविचार मंच प्रश्नोत्तरी, तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। इस समारोह को सफल बनाने में हिंदी शिक्षिका कुमुदिनी नायडू, चंचल कोठारी, मीनल चौरडिया, स्वाति तथा सुश्री जय श्री ने अपना सहयोग प्रदान किया। संचालन प्रेमलता पंचोली एवं छात्रा स्नेहा अग्रवाल ने किया।

सुन्दरकांड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरपुर में मां दुर्गा भक्त मंडल के तत्वावधान में 1481वां सुन्दरकांड पाठ का आयोजन यहां 2 अगस्त को राकेशसिंह राजपुरोहित के निवास पर किया गया। मंडल के अध्यक्ष अशोक एवं उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने बताया कि बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पाठ में भाग लिया। मां दुर्गा भक्त मंडल एक ऐसी संस्था है जो निस्वार्थ एवं निशुल्क पूरे तिरुपुर जिले में प्रत्येक रविवार को श्रद्धालुओं के घरों में जाकर पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ सभी को धर्म के मार्ग पर लाने की प्रेरणा देती है।

'विंग्स टू फ्लाई' संस्कार पाठशाला की अर्द्धवार्षिक परीक्षा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री जैन रत्न युवक परिषद, तमिलनाडु के मार्गदर्शन में संचालित विंग्स टू फ्लाई संस्कार पाठशाला की अर्द्धवार्षिक परीक्षाएँ 2 अगस्त को स्वाध्याय भवन, साहूकारपेट व चेन्नई की सात शाखाओं में सफलतापूर्वक आयोजित की गईं। इन परीक्षाओं में लगभग 550 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी संस्कार शिक्षा एवं अध्ययन के प्रति समर्पण का परिचय दिया। यह केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि बच्चों में जैन संस्कार, अनुशासन, नैतिक मूल्यों एवं उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। 'विंग्स टू फ्लाई परिवार' श्री जैन रत्न युवक परिषद, तमिलनाडु के प्रति विशेष आभार व्यक्त करता है, जिनके सतत मार्गदर्शन, प्रेरणा एवं सहयोग से यह संस्कार अभियान निरंतर नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर है। यह जानकारी शिविर समिति के संयोजक वी. करण कांकरिया ने दी।

परमात्मा की सेवा से बढ़कर होती है मूकप्राणियों की सेवा : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के स्थानकवासी जैन संघ हल्लदकेरी के तत्वावधान में स्थानक भवन में विराजित राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश के सान्निध्य में स्थानकवासी जैन संघ हल्लदकेरी के हेल्पिंग हैंड्स जैन यूथ ऑर्गेनाइजेशन द्वारा जीवदया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर कमलेशमुनिजी ने कहा कि हमारे द्वारा निस्वार्थ भाव से की गई प्राणी मात्र की सेवा परमात्मा की सेवा से बढ़कर है। संतश्री ने कहा कि वह हमारे भाग्य और नसीब को बदलने की क्षमता रखती है। इंसान तो छीन कर ले सकता है पर मूक प्राणी तो अपनी व्यथा को व्यक्त भी नहीं कर सकता है। उनकी पीड़ा को समझने वाला दूर करने वाला धरती पर चलते-फिरते तीर्थ के समान है।

संतश्री ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्य है कि प्रदूषण फैलाने वाले कारखाने, ध्वनि प्रदूषण, जल प्रदूषण डीजल और पेट्रोल से प्रदूषण फैलाने वाली साधनों को तो शहर में परमिशन देती है जिससे असाध्य रोगों का इंसान शिकार हो रहा है परंतु प्रदूषण को नियंत्रित करने में योगदान देने वाले हमारे अनंत उपकारी प्राणियों पर प्रतिबंधन लगाती है।

हेल्पिंग हेंड संस्था के अध्यक्ष महावीर खाब्या ने बताया कि मैसूरु महल के सामने संस्था द्वारा रोज कबूतरों के लिए तीन बोरी चुग्गा डाला जाता है।

हमारी साधना का लक्ष्य आत्मशुद्धि होना चाहिए: साध्वीश्री मंगलज्योति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्द्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मंगलज्योतिजी ने रविवार को अपने प्रवचन में कहा कि हमें यह अनमोल मानव जीवन मिला है। तीर्थंकर परमात्मा की जिनवाणी श्रवण करने से मन को शांति मिलती है, जीवन को एक नई दिशा मिलती है और हमारे आत्म कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने सुखी जीवन जीने के चौथे सूत्र पर अपनी बात रखते हुए कहा कि व्यक्ति को जब भूख लगे तब ही भोजन ग्रहण करना चाहिए। बगैर भूख के खाना नहीं। हमें भोजन अपनी आत्मा को पूछकर खाना, न कि शरीर और मन से। अंतःकरण से पूछो क्या खाना, क्या नहीं, जिससे शरीर और मन दोनों स्वस्थ रह सकें। भगवान महावीर ने अपनी इन्द्रियों को वश में करने और आत्मशुद्धि, कर्म निर्जरा के लिए तप साधना को एक पावन पवित्र, श्रेष्ठ माध्यम बतलाया है।

प्रारंभ में साध्वीश्री ऋजुप्रज्ञा जी ने आचरांग सूत्र सूत्र पर आधारित अपनी प्रवचन माला की शुरुआत करते हुए कहा कि भगवान महावीर की जिनवाणी साधक के दोनों भवों को सुखी बनाने वाली है और आत्मा को शीतलता प्रदान करने वाली है। उन्होंने कहा कि हम दूसरों को देखते, निहारते हैं लेकिन यदि हम वास्तव में अपने आत्म स्वरूप को निहार लें तो अवश्य ही हमारी आत्मा का कल्याण संभव हो सकता है। उन्होंने आगे कहा कि कुछ विरले व्यक्ति ही ऐसे होते हैं जो अपने आत्म स्वरूप का चिंतन करते हैं।

मन के सकारात्मक बदलाव से शुरू होता है आत्मकल्याण का मार्ग : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चूलै में मणिक्कम स्ट्रीट स्थित लक्ष्मी महल में चातुर्मासार्थ विराजित श्री कपिल मुनि जी म.सा. के सान्निध्य में रविवार को सर्वसिद्धि प्रदायक महाप्रभावी भक्तामर स्तोत्र जप अनुष्ठान एवं रविवारीय विशेष प्रवचन का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में सम्पन्न हुआ। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान ऋषभदेव की महिमा में रचित भक्तामर स्तोत्र का सामूहिक संगान कर सम्पूर्ण वातावरण को भक्तिरस एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। जप अनुष्ठान के उपरांत श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए पूज्य श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने कहा कि जप जीवन की अनमोल निधि है। जप केवल शब्दों का उच्चारण नहीं, बल्कि आत्मा को परमात्मा से जोड़ने वाली साधना है। इससे निर्मित पवित्र एवं सकारात्मक आभामंडल व्यक्ति के लिए आध्यात्मिक सुरक्षा कवच का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि भक्तामर स्तोत्र आत्मा को परमात्मा से जोड़ने वाला दिव्य सेतु तथा भक्ति की अत्यंत प्रभावशाली साधना है। यह आत्मशक्ति के जागरण का सशक्त माध्यम है। श्रद्धा और तल्लीनता से किया गया भक्तामर स्तोत्र जप मन को निर्मल, चित्त को एकाग्र तथा जीवन को आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण बनाता है। यह भय, चिंता, अस्थिरता और मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाकर आत्मविश्वास, मनोबल तथा सकारात्मक सोच का विकास करता है। भगवद्-स्तुति व्यक्तित्व के परिष्कार और आत्मोन्नति का प्रभावी साधन है। रविवारीय विशेष प्रवचन में पूज्य गुरुदेव ने कहा कि व्यक्ति की सबसे बड़ी ताकत भी उसका मन है और सबसे बड़ी कमजोरी भी उसका मन ही है। संसार की प्रत्येक उपलब्धि और प्रत्येक पतन का मूल कारण मन है। मन जैसा सोचता है, वैसा ही जीवन बनता है। मन का स्वभाव अत्यंत परिवर्तनशील है। संसार की परिस्थितियों को बदलने में समय लग सकता है, लेकिन मन को बदलने में एक क्षण भी नहीं लगता। एक श्रेष्ठ विचार जीवन की दिशा बदल सकता है, एक दृढ़ संकल्प भाग्य का निर्माण कर सकता है और एक दुर्भावना जीवन को अंधकार में धकेल सकती है। संचालन चातुर्मास समिति के मंत्री शांतिलाल गुगलिया ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.